# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लोहिया संस्थान के 194 तकनीकी कर्मियों का इंतजार खत्म पेज: 3

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 162 | बुधवार 16 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## यूसीसी पर एनडीए के सहयोगी दलों ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

### शाह के बयान के बाद सामने आए तीन अलग सुर

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में 2029 तक 21 भाजपा-एनडीए शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, उनके इस बयान के तुरंत बाद ही सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ प्रमुख सहयोगी दलों ने इस मुद्दे पर सावधानी भरा रुख अपना लिया है, जिससे भाजपा की राह थोड़ी मुश्किल होती दिख रही है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने यूसीसी को लेकर अपने-अपने विचार रखे हैं, जो गठबंधन के भीतर बढ़ती सुगबुगाहट को दर्शाते हैं।

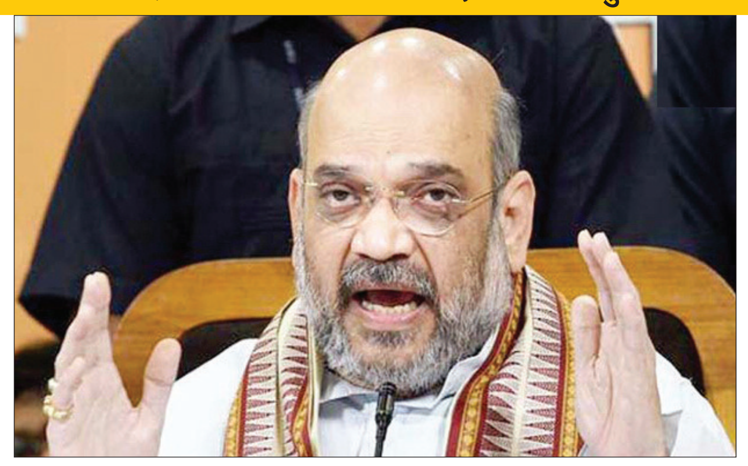

संसद में बहुमत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली तेलुगु देशम पार्टी ने यूसीसी पर सशर्त समर्थन का संकेत दिया है। लोकसभा में टीडीपी के नेता लावु कृष्ण देवरायालु ने कहा कि जब इसकी जरूरत महसूस होगी, तब इस पर विचार किया जाएगा और इसे अपनाने से पहले विभिन्न हितधारकों को चर्चा में शामिल किया जाएगा। यह भी गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने यूसीसी की बात आने पर मुस्लिम समुदाय के साथ खड़े होने की बात कही थी, जो उनके वर्तमान रुख में सावधानी का संकेत देता है। बिहार में नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने अपना रुख साफ करते हुए कहा है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर यूसीसी विधेयक का समर्थन करती है, लेकिन इसे बिहार में लागू करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर इस मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही है। नीतीश कुमार अतीत में यूसीसी का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन उनका जोर इस बात पर रहा है कि सभी समुदायों को साथ लेकर आम सहमति बनाई जानी चाहिए।

भाजपा के एक अन्य सहयोगी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी यूसीसी पर सावधानी भरा रुख अपनाया। उन्होंने संविधान में विभिन्न समुदायों की परंपराओं और प्रथाओं को मान्यता दिए जाने का हवाला देते हुए विविधता के महत्व पर जोर दिया। पासवान ने कहा कि यूसीसी का प्रस्ताव सार्वजनिक किया जाना चाहिए और संबंधित हितधारकों से व्यापक चर्चा व विचार-विमर्श के बाद ही पार्टी अपना रुख स्पष्ट करेगी। उन्होंने अनुसूचित जनजातियों को मिली छूट का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। हालांकि, कुछ सहयोगी दल यूसीसी के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहरा चुके हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने यूसीसी को लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने यूसीसी को समानता, न्याय और राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों पर आधारित बताया, जबकि हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने अमित शाह के यूसीसी संबंधी बयान का पूरे समर्थन के साथ स्वागत किया।

## बिहार में बाढ़ से जानमाल को नुकसान- खड़गे और राहुल गांधी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ से हुए जानमाल के नुकसान पर दुख जताया और पार्टी के कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाने अपील की। खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा- बिहार में बाढ़ से हुई जनहानि अत्यंत पीड़ादायक है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और हजारों गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि संकट की इस घड़ी में सरकार की प्राथमिकता हर प्रभावित परिवार तक राहत और मदद पहुंचाने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन राहत, बचाव, चिकित्सा सहायता और पुनर्वास कार्यों में कोई कसर न छोड़ें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे प्रभावित क्षेत्रों में आगे बढ़कर लोगों की मदद करें। पूरा देश इस कठिन समय में बिहार के साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने सरकार और प्रशासन से राहत एवं बचाव अभियान पूरी तत्परता से चलाकर प्रभावित परिवारों तक जरुरी मदद जल्द पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा- बिहार में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि अत्यंत हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी सहानुभूति है। राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील है कि वो आगे बढ़कर प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करें। बता दें बिहार और पड़ोसी देश नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में पिछले चार-पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया जिलों के 88 प्रखंडों की 575 ग्राम पंचायतों के 49.36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

## नागालैंड में मिलावटी शराब पीने से 10 की मौत, आबकारी विभाग ने जारी की चेतावनी

कोहिमा (एजेंसी)। शराबबंदी वाले राज्य नागालैंड के तुएनसांग में मिलावटी शराब पीने से 10 लोगों की मौत के बाद राज्य के आबकारी एवं निषेध विभाग ने अज्ञात या संदिग्ध स्रोत की शराब के सेवन के खिलाफ चेतावनी जारी की है। तुएनसांग पुलिस ने बताया कि 10 से 12 सितंबर के बीच मरने वालों में से 9 लोगों का शराब के सेवन से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध था, हालांकि मौत के कारणों का अभी तक निर्णायक रूप से पता नहीं चला है। नागालैंड के डीजीपी ने बताया कि पीड़ितों की मौत मिलावटी शराब पीने से हुई। पुलिस के मुताबिक एक अन्य व्यक्ति ने आत्महत्या की है इस मामले की अलग से जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से बताया गया है कि वास्तविक मृतकों की संख्या इससे ज्यादा हो सकती है और संभवत: कुछ मौतें दर्ज ही नहीं हुई हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 12 सितंबर को तुएनसांग पुलिस को तुएनसांग सिविल अस्पताल में भर्ती लोगों की लगातार हो रही मौतों के संबंध में रिपोर्ट मिली थी। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि अधिकतर मामलों में मृतकों ने धुंधली दृष्टि, गंभीर सिरदर्द, चक्कर आना, मतली और उल्टी जैसे लक्षण पैदा होने से पहले शराब का सेवन किया था। पुलिस ने कहा कि मिलावटी शराब का सेवन मौतों का संभावित कारण माना जा रहा है, लेकिन इस स्तर पर वैज्ञानिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है। बयान में कहा गया है कि जांच के तहत वैज्ञानिक और फोरेंसिक प्रक्रियाएं अपनाई जाएंगी।

## यूजीसी पर भागवत की दो टूक

भीलवाड़ा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यूजीसी के प्रस्तावित नियमों को लेकर स्पष्ट कहा है। 'न यह कानून बना है,ना बनेगा।' भीलवाड़ा में जैन आचार्य पुलक सागर महाराज से मुलाकात के दौरान भागवत ने कहा, यूजीसी से जुड़े नियम अभी प्रस्तावित हैं। आचार्य पुलक सागर ने इन प्रावधानों को लेकर सामाजिक विभाजन की आशंका जताते हुए चिंता व्यक्त की है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर बड़ा राजनीतिक लक्ष्य सामने रखा है। मुंबई में शाह ने कहा कि भाजपा-नीत राजग की 21 राज्य सरकारें 2029 से पहले यूसीसी लागू करेंगी। इन दोनों बयानों को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। यह विषय इसलिए महत्वपूर्ण है, यूजीसी और यूसीसी दो अलग विषय हैं। एक उच्च शिक्षा के नियमन से जुड़ा है।दूसरा विवाह, तलाक, उत्तराधिकार जैसे व्यक्तिगत कानूनों में समान व्यवस्था से संबंधित है। इसलिए भागवत और शाह के बयानों को लेकर देश में राजनीतिक बवाल बढ़ गया है। संघ-भाजपा खेमे के दो महत्वपूर्ण संदेशों के रूप में देखा जाना चाहिए। वर्तमान बहस का असली सवाल यह है। प्रस्तावित यूजीसी नियमों पर सरकार आगे क्या रुख अपनाती है। कई राज्यों में यूजीसी को लागू कर दिया गया है।यूसीसी को 2029 से पहले लागू करने के लिए राज्यों में कितनी सहमति बन पाती है। यह देखना जरूरी है।

## चंदौसी में गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल- मुस्लिम समाज ने गणपति को चढ़ाए दो क्विंटल लड्डू

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के संभल जिले के चंदौसी में मुस्लिम समाज ने भगवान गणेश को दो क्विंटल लड्डू का भोग चढ़ाकर आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की अनोखी मिसाल पेश की। गणेश चौथ मेला के दौरान हुआ यह आयोजन सालों से चली आ रही एक अनूठी परंपरा का हिस्सा है। चंदौसी का गणेश चौथ मेला अपनी धार्मिक आस्था और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए मशहूर है। इस वर्ष भी मेला का उद्घाटन विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने मिलकर किया था, जो इस क्षेत्र की साझा संस्कृति को दर्शाता है। सोमवार को मेला में भव्य रथ यात्रा भी निकाली गई, जिसमें विभिन्न प्रकार की स्वचालित झांकियां मुख्य आकर्षण थीं और इन्हें देखने के लिए शहर के मुख्य मार्गों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। इस धार्मिक आयोजन के बीच, मुस्लिम समाज की ओर से भगवान गणेश को चढ़ाए गए दो क्विंटल लड्डू की खूब चर्चा रही। मुस्लिम समाज प्रतिनिधि ने बताया कि मुस्लिम समाज साल 2001 से हर वर्ष भगवान गणेश को लड्डू का भोग चढ़ाता आ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान में भागीदारी नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सांप्रदायिक सौहार्द का जीवंत संदेश है। इस अनूठे प्रयास ने एक बार फिर चंदौसी की पुरानी परंपरा और आपसी सौहार्द को मजबूती से उजागर किया, जहाँ त्यौहारों को मिलकर मनाने की भावना हर वर्ष और प्रगाढ़ होती दिखती है।

## केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद, देश के कई राज्यों में बारिश-बाढ़ का अलर्ट

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर लगातार पत्थर गिरने के कारण केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद रही। सुरक्षा बलों ने करीब 7,000 यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड की ओर भेज दिया है, जबकि 500 से अधिक तीर्थयात्री अभी फंसे हुए हैं। राहत की बात यह है कि केदारनाथ धाम के लिए आज से हेलीकॉप्टर सेवाएँ शुरू हो गई हैं, लेकिन पैदल यात्रा अभी भी रोकी गई है।इस बीच, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब सहित- देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

## गोल्डन खड़ाऊ, चांदी के कड़े: धीरेंद्र शास्त्री ने अंबानी इवेंट में जीता दिल

**मुंबई, एजेंसी।**
बीती रात अंबानी परिवार ने मुंबई स्थिति अपने घर में गणपति बप्पा का भव्य स्वागत किया, जिसमें बॉलीवुड, खेल और राजनीतिक जगत के साथ-साथ कई धर्मगुरुओं ने शिरकत की। बाबा रामदेव और जया किशोरी के अलावा, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री भी अंबानी के गणेशोत्सव में पहुंचे। एंटीलिया में धीरेंद्र शास्त्री का लुक सबसे ज़्यादा चर्चा का विषय रहा, खासकर उनके पैरों ने सबका ध्यान खींचा।

हमेशा की तरह भगवा कुर्ते और सफ़ेद धोती में दिखे शास्त्री ने मरून शॉल ओढ़ी हुई थी और माथे पर चंदन-टीका लगाए थे। उनका अंदाज जितना सादा था, उतना ही क्लासी लग रहा था। लेकिन उनके पैरों ने सभी को अचंभित किया, क्योंकि धीरेंद्र शास्त्री जूतों या चप्पलों की जगह उन्होंने पारंपरिक गोल्डन खड़ाऊ पहने थे। पैरों में आलता लगा हुआ था और चांदी के कड़े भी नजर आए, जो उनके पारंपरिक अवतार को और ज़्यादा ख़ास बना रहे थे। धीरेंद्र शास्त्री के आलता लगे पैरों की तस्वीरें इंटरनेट पर तेज़ी से वायरल हुईं, और लोगों ने उनके इस सादगीपूर्ण और सांस्कृतिक रूप को बेहद सराहा। इस भव्य आयोजन में बाबा भी भगवा वेश में दिखे, जबकि सलमान खान, रेखा, करीना-करिश्मा कपूर, कटरीना-विक्की जैसे बड़े बॉलीवुड सितारे और कई क्रिकेटर्स अपने परिवारों के साथ बप्पा के दर्शन करने पहुंचे थे।

## राहुल-प्रियंका ने 130 नेताओं से पूछा- आपने क्या किया?

### -कांग्रेस में आधे सचिवों की छुट्टी की संभावना

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कांग्रेस संगठन में लंबे समय से प्रतीक्षित बड़े फेरबदल की दिशा अब साफ होती दिख रही है। पार्टी नेतृत्व संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी में है और जल्द ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिवों में भारी बदलाव कर सकती है। मौजूदा सचिवों में से करीब आधे को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने की संभावना है। इस कवायद के तहत, पिछले एक सप्ताह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने लगभग 130 संभावित उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए हैं।

नए सचिवों के चयन के लिए समूह साक्षात्कार की प्रक्रिया 7 सितंबर से शुरू हुई थी, जिसमें 12 से 14 नेताओं के बैच में उम्मीदवारों से सवाल पूछे गए। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल ने प्रत्येक उम्मीदवार के लिए तैयार डोजियर के आधार पर उनके काम, प्रदर्शन, पार्टी संगठन में भूमिका और योगदान को लेकर विस्तार से सवाल किए। उम्मीदवारों से अपनी भूमिका में किए गए कार्यों, उसके पीछे के कारणों, पार्टी के लिए योगदान और उन क्षेत्रों के बारे में पूछा गया जहां कमी रह गई। उनसे काल्पनिक परिस्थितियों, कमजोर प्रदर्शन वाले राज्यों में पार्टी को मजबूत करने के उपायों और संगठन सृजन अभियान पर उनके विचारों को लेकर भी प्रश्न पूछे गए। उम्मीदवारों से उनके राजनीतिक सफर और सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन के बारे में भी पूछा गया। इस बड़े फेरबदल से पहले, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को मौजूदा एआईसीसी सचिवों से भी मुलाकात करेंगे। इस बैठक में उनके कामकाज की समीक्षा की जाएगी और उन्हें फीडबैक दिया जाएगा। माना जा रहा है कि करीब 50 फीसदी मौजूदा एआईसीसी सचिवों को उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा सकता है। मंगलवार की इस बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन इसमें प्रदर्शन और प्रस्तावित संगठनात्मक बदलावों पर चर्चा की प्रबल संभावना है। कांग्रेस में वर्तमान में 64 एआईसीसी सचिव हैं, जिनमें से अधिकांश को अलग-अलग राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। वे संबंधित राज्यों में एआईसीसी महासचिवों या प्रभारी नेताओं के अधीन काम करते हैं और राज्य इकाइयों के कामकाज की निगरानी करते हैं। कुछ सचिवों को दिल्ली स्थित पार्टी के महत्वपूर्ण कार्यालयों में भी तैनात किया गया है। हालांकि, इस पूरी कवायद में उन नेताओं को भी ध्यान में रखा जाएगा जिन्हें हाल ही में संगठन सृजन अभियान के तहत नई जिम्मेदारियां दी गई हैं या संगठन में प्रमोट किया गया है।

## गुरुग्राम हिट एंड रन केस की पीड़िता बोली- सिंपैथी गेम खेल रहा आरोपी

**गुरुग्राम, एजेंसी।**
सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक महिला बाइकर को कार चालक ने कथित तौर पर जानबूझकर टक्कर मार दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पीड़िता सिया ने आरोपी कल्याण बैंसला पर पलटवार किया है। सिया ने कहा कि आरोपी केवल सिंपैथी गेम खेल रहा है और उसकी जान भी जा सकती थी।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक तेज रफ्तार कार एक महिला बाइकर को जोरदार टक्कर मारती है, जिसके बाद महिला सड़क पर गिरकर लुढ़कती चली जाती है और उसकी बाइक काफी दूर तक घिसटती हुई जाती है, जिससे चिंगारियां निकल रही थीं। इस घटना के बाद कार चालक कल्याण बैंसला ने अपनी सफाई में जानबूझकर टक्कर मारने से इनकार किया था, जिस पर सिया ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिया ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि वायरल वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि उन्हें किस तरह टक्कर मारी गई। उन्होंने बैंसला के इस दावे को खारिज किया कि उसे पता नहीं था कि बाइक एक लड़की चला रही थी। सिया ने सवाल किया, मेरे बाल इतने लंबे थे और मैंने चोटी बनाई थी। आपने मेरा पीछा किया और बाइक रोकने को कहा, फिर कैसे नहीं पता था? उन्होंने कहा कि चाहे वे तेज चलें या धीरे, किसी को भी उनका पीछा करने का अधिकार नहीं है। पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, अगर दो-तीन सेकंड का गैप हो जाता तो मेरी मौत हो सकती थी। मैं रोड पर गिरी थी और बाइक घिसटती चली गई। अगर आरोपी को दुख ही हो रहा था, तो वह रुका क्यों नहीं? उसकी जिम्मेदारी थी कि वह रुककर देखे कि जिसे टक्कर मारी, वह मरा या बचा। सिया ने बैंसला के सिंपैथी गेम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसे लोग यह भी नहीं सोचते कि उनके घर में भी महिलाएं होंगी।

वहीं, आरोपी कल्याण बैंसला ने अपनी सफाई में जानबूझकर टक्कर मारने से इनकार किया है। जिम संचालक और खुद को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी बताने वाले बैंसला ने कहा कि उसने यू-टर्न के पास कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया था। उसने उलटा महिला बाइकर सिया और उनके साथी पर उकसाने का आरोप लगाया। बैंसला के अनुसार, वीडियो में देखिए कि कौन बार-बार बाइक तेज और धीमी कर रहे थे। उसने यह भी दावा किया कि घटनास्थल पर रुकने पर उसे डर था कि बाइक सवारों का एक समूह उसे और उसके परिवार को पीट सकता था, इसलिए वह वहां से भाग गया। विवाद के बाद आरोपी ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया।

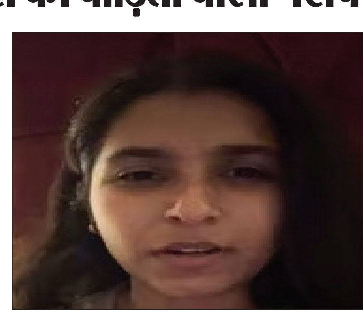

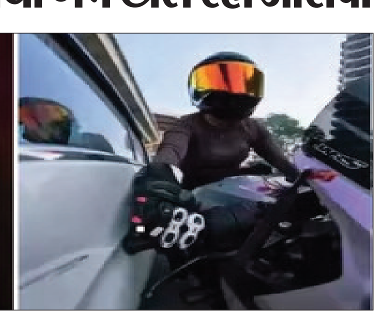

## कांग्रेस ने ममता को दिया झटका, मदद से किया इनकार

**कोलकाता, एजेंसी।**
पश्चिम बंगाल की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने चुनौतियां फिलहाल कम होती नहीं दिख रही हैं। खबर है कि नंदीग्राम उपचुनाव में मदद के लिए उन्होंने कांग्रेस से संपर्क साधा था, लेकिन पार्टी ने उनका प्रस्ताव मानने से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से किसी भी पार्टी ने कुछ नहीं कहा है। सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल से बात की थी। उन्होंने नंदीग्राम सीट पर कांग्रेस के लिए लड़ने का वादा करते हुए रेजीनगर सीट पर तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के लिए समर्थन मांगा था। यह भी कहा गया है कि ममता ने नंदीग्राम से अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेने की भी पेशकश की थी, जिससे संकेत मिल रहे थे कि वह कांग्रेस के साथ गठबंधन की कोशिश में हैं। हालांकि, कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि तृणमूल शासन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुए कथित अत्याचारों के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभांकर सरकार के मुताबिक, अगर टीएमसी गठबंधन चाहती है, तो उसे नंदीग्राम और रेजीनगर, दोनों सीटों पर होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस का साथ देना होगा। दोनों ही सीटों पर 6 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। तृणमूल कांग्रेस ने नंदीग्राम सीट पर संचिता प्रधान डे को और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। खबरें हैं कि संचिता प्रधान डे की उम्मीदवारी को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी का दौर शुरू हो गया है, क्योंकि उनका नाम साल 2014 के शिक्षक भर्ती घोटाले में आया था। उधर, कांग्रेस ने रेजीनगर से मोहम्मद अब्दुल्लाहिल कफी और नंदीग्राम से मिलन प्रधान को मैदान में उतारा है।ममता बनर्जी के लिए चुनौतियां यहीं खत्म नहीं होतीं। ऋताब्रत बनर्जी की अगुवाई वाले टीएमसी के बागी गुट ने भी दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। यह गुट टीएमसी के नाम और चिह्न पर ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। उनकी तरफ से नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और मुर्शिदाबाद की रेजीनगर सीट से सफीउज्जमां शेख मैदान में होंगे।

## भारत रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे: राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली,, एजेंसी।**
भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक 'विमर्श 2026' में यह बात कही। उन्होंने देश की रक्षा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में ये छोटे उद्यम नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं, जो नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म दे रहे हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए एक ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का मौके प्राप्त कर सकते हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भर भारत के लिए डीआरडीओ और उद्योगों की साझेदारी अब केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस अनुसंधान, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि जब डीआरडीओ का ज्ञान, उद्योग की विनिर्माण क्षमता, स्टार्टअप का नवाचार और युवाओं का नए भारत का सपना एक साथ आएंगे, तब भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती।

उन्होंने उल्लेख किया कि आज जारी की गई नई नीतियां और दिशानिर्देश उद्योग के लिए नई संभावनाएं लेकर आए हैं। इनका फोकस उद्योग के नेतृत्व वाले अनुसंधान एवं विकास, स्टार्टअप और एमएसएमई के वित्त पोषण को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग तथा एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग व हाइपरसोनिक जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश पर भी जोर दिया गया है।

राजनाथ सिंह ने स्वीकार किया कि रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए केवल सरकार या डीआरडीओ के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं; यह एक सहयोगात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ और उद्योग के बीच की यह साझेदारी ही भारत को रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना सकती है। उनका मानना है कि कोई भी उत्पाद भारत में विकसित कर देना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उत्पाद बनाने की क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करना। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के वास्तविक अर्थ को समझाया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब केवल कुछ कलपुर्जे या हथियार उपकरण विकसित करना नहीं, बल्कि यह हमारे चरित्र और रवैये का हिस्सा होना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, 'मेक इन इंडिया' पहल, आईडेक्स, अदिति जैसे कार्यक्रम और रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत निजी क्षेत्र के लिए आवंटित करने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। ये कदम रक्षा क्षेत्र में आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए उठाए गए हैं।

# संपादकीय

## हिमालयी पानी बम

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ ने हिमालयी सीमा में बसे देशों की सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग से निरंतर बनती हिमनद झीलों के भयावह खतरों के प्रति सचेत किया है। यह संकट एक देश की सीमाओं से परे पूरे हिमालयी क्षेत्रों में व्याप्त है। ऐसे में निगरानी तंत्र को मजबूत करने और इसके दायरे में आने वाले देशों, राज्यों और शहरों को समय रहते सूचना देने के लिए एक प्रभावी सिस्टम विकसित करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साल 2013 में केदारनाथ त्रासदी से उपजी तबाही की तस्वीरें आज भी भारतीय जनमानस की स्मृतियों में ताजा हैं। पूर्वी हिमालय स्थित सिक्किम में भी चालीस हिमनद झीलों का पता चला है। चिंता की बात यह है कि इसमें से सोलह को अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में आईआईटी मंडी के एक अध्ययन में लगातार विस्तार ले रही नौ ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई थी। कमोबेश उत्तराखंड में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है जो जलवायु परिवर्तन के चलते तेजी से पिघलते ग्लेशियरों से उपजे संकट की ओर ध्यान खींचती हैं। आईआईटी के अध्ययन के जरिये तीन हजार पांच सौ मीटर से ज्यादा ऊंचाइयों पर दो हजार से अधिक झीलों का पता चला है। बताया जाता है कि ये झीलें तेजी से बन रही हैं और इनकी संख्या एक दशक पहले की तुलना में 710 अधिक हो गई है। इनका क्षेत्रफल भी लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि 28 फीसदी बढ़ी बतायी जाती है, जिसके चलते कई रिहायशी इलाकों, शिक्षण संस्थाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं और अनेक पुलों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्लेशियर टूटने और चट्टानें खिसकने से ये झीलें कितना भयावह रूप ले सकती हैं, उसकी बानगी 26 अगस्त को नेपाल में हुई तबाही में नजर आई है। वहां आज भी हजारों लोग लापता हैं। चट्टानों, पानी, कीचड़ आदि का जो सैलाब घाटियों से गुजरा है, उसने बस्तियों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। पनबिजली परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की अभी भी तलाश जारी है। नेपाल हादसे ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है और बताया है कि ऊंचाई वाली जगहों में झील में बर्फ-चट्टानों के गिरने के बाद इन झीलों को रोकने वाले अवरोध टूटते हैं, जिससे नीचे वाले इलाकों में बेहद तीव्र गति से तबाही आ सकती है। दरअसल, लगातार गर्म होते हिमालय में ग्लेशियरों का पीछे हटना, झीलों का बढ़ना, भूस्खलन और अतिवृष्टि की घटनाएं आपस में मिलकर भयावह स्थिति पैदा करती हैं, जिसका मुकाबला सामान्य आपदा प्रबंधन के उपायों से नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित करने के लिए ग्लेशियर झीलों के फटने का इंतजार नहीं किया जा सकता। जमीनी स्तर पर निगरानी के साथ ही उपग्रहों के जरिये भी इन झीलों पर नजर रखने की सख्त जरूरत है। रियल-टाइम अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा निकासी रास्तों को चिन्हित करने की जरूरत भी है। नीचे नदियों के किनारे बसी बस्तियों व मैदानी इलाकों में बचाव के तौर-तरीकों का नियमित अभ्यास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही पुलों, पनबिजली परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचों की जांच करके उन्हें अधिक सुरक्षित बनाने की भी जरूरत है। साथ ही इन से जुड़े संभावित खतरों का समय रहते मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में विकास के नये मॉडल पर भी विचार करने की जरूरत है, जो हिमालयी क्षेत्रों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो। इसके लिये जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई वाले संवेदनशील इलाकों में पर्यटन, सड़क और निर्माण कार्यों में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। निस्संदेह, जोखिम वाली घाटियों में जितना कम इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा, किसी प्राकृतिक आपदा में जनधन की हानि उतनी ही कम होगी।

# चिंतन-मनन

## कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।


**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**


# विश्व ओजोन दिवस : पृथ्वी के सुरक्षा कवच का संरक्षण

सुनील कुमार महला

ओजोन परत नीले ग्रह यानी कि हमारी पृथ्वी के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। यह वह परत है जो, सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के बड़े हिस्से को अवशोषित कर उन्हें पृथ्वी की सतह तक सीधे पहुंचने से रोकती है। वास्तव में, विशेष रूप से यूवी-बी और यूवी-सी किरणों का अधिकांश भाग ओजोन परत द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। इससे मनुष्यों, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समस्त जीव-जगत की रक्षा होती है। यदि ये किरणें अधिक मात्रा में पृथ्वी तक पहुंचें तो त्वचा कैंसर, आंखों को नुकसान, कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव, फसलों को क्षति तथा समुद्री खाद्य श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए ओजोन परत का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

यहां पाठकों को बताता चलूं कि हर वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है-ह्यशीतित ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई : मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के तहत सतत शीतलन के 10 वर्ष पूरे होने का जश्नल्ल इस थीम का उद्देश्य ओजोन परत के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देना है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि मानव की अनियंत्रित और स्वार्थी गतिविधियों ने कभी जीवनदायिनी ओजोन परत को गंभीर संकट में डाल दिया था। दरअसल, 1980 के दशक में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और एरोसोल स्प्रे में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) और हैलोन जैसी गैसें समताप मंडल (स्ट्रैटोस्फियर) में पहुंचकर ओजोन अणुओं को तेजी से नष्ट करने लगीं। इसके परिणामस्वरूप, अंटार्कटिका के ऊपर एक विशाल ह्यओजोन छिद्रह्न विकसित हुआ। समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी-बी) किरणों का बढ़ा हुआ प्रभाव त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, फसलों को नुकसान और समुद्री खाद्य श्रृंखला के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता था।

ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख रसायनों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म आदि शामिल हैं। इनका उपयोग पहले रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, अग्निशामक यंत्र और एरोसोल जैसे उत्पादों में होता था। इन रसायनों को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अपनाया गया, जिसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दुनिया के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय समझौतों में माना जाता है। सरल शब्दों में कहें तो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों, जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसीज), के उत्पादन और उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करना और समाप्त करना है।भारत भी मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फिर भी ओजोन परत की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। यह केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए पर्यावरण के अनुकूल शीतलन तकनीकों को अपनाना और ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उपयोग को कम करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।इसके बाद, वर्ष 2016 में किगाली संशोधन अपनाया गया, जिसके तहत हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उपयोग को धीरे-धीरे कम करने का लक्ष्य रखा गया। उल्लेखनीय है कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कड़े अनुपालन से ओजोन-क्षयकारी गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में लगभग 99 प्रतिशत तक की कमी आई है। इसके सकारात्मक परिणाम अब आंकड़ों में भी दिखाई दे रहे हैं। नासा और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, अंटार्कटिक ओजोन छिद्र का अधिकतम आकार अब लगभग 22.8 मिलियन वर्ग किलोमीटर के दायरे में रह गया है, जो वर्ष 2000 के 28.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर के रिकॉर्ड स्तर से काफी कम है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन जारी रहा तो दुनिया के अधिकांश हिस्सों में ओजोन परत 2040 तक, आर्कटिक में 2045 तक और अंटार्कटिका के ऊपर 2066 तक वर्ष 1980 के ऐतिहासिक स्तर पर लौट सकती है।हालांकि, पर्यावरण को लेकर पूरी तरह निश्चिंत होने का समय अभी नहीं आया है। जंगलों की भीषण आग, अनियंत्रित रॉकेट प्रक्षेपण, अप्रतिबंधित औद्योगिक रसायनों, जैसे डाइक्लोरोमीथेन, और लगातार बढ़ता कार्बन उत्सर्जन नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। जंगलों की आग से उठने वाला रासायनिक धुआं तथा अंतरिक्ष मलबे के ऊपरी वायुमंडल में जलने से उत्पन्न एरोसोल ओजोन की रिकवरी की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष अभियानों, रॉकेट प्रक्षेपणों और समताप मंडल में उड़ने वाले विमानों से निकलने वाले ब्लैक कार्बन और कालिख को लेकर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

# मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

डॉ. प्रियंका सौरभ

मसुलभता बढ़ाने की क्षमता के साथ गोपनीयता, गलत सलाह और मानवीय संवेदना की चुनौती...

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरूआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालांकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए।

भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियां इस अंतर को कम कर सकती हैं। भविष्य में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नींद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है।

लेकिन अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए।

सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक विवेक और वास्तविक सामाजिक संदर्भ को समझने की सीमाएं हैं।

आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।

गोपनीयता भी एक बड़ी चिंता है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बातचीत अत्यंत निजी होती है। व्यक्ति अपनी भावनाएं, पारिवारिक परिस्थितियां, संबंध, भय और व्यक्तिगत अनुभव डिजिटल प्रणाली के साथ साझा कर सकता है। ऐसे संवेदनशील डेटा का संग्रह, भंडारण, उपयोग और साझा किया जाना स्पष्ट नियमों तथा मजबूत डेटा सुरक्षा के अधीन होना चाहिए। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण संबंधी व्यवस्था के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य डेटा के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त, एआई में मौजूद एल्गोरिद्मिक पक्षपात भी चिंता का विषय है। भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, लैंगिक और सामाजिक विविधता इतनी व्यापक है कि एक ही मॉडल सभी समुदायों की मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समान रूप से नहीं समझ सकता। किसी एक भाषा, वर्ग या सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित प्रशिक्षण से तैयार प्रणाली दूसरे समुदाय के लिए अनुपयुक्त सलाह दे सकती है।

इसलिए आगे का रास्ता एआई को रोकना नहीं, बल्कि उसे जिम्मेदारी के साथ विकसित करना है। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एआई प्रणालियों के लिए स्वतंत्र नैदानिक परीक्षण, नियमित सुरक्षा ऑडिट, स्पष्ट जवाबदेही और संकट-स्थिति में मानव विशेषज्ञ तक पहुंचाने के अनिवार्य प्रोटोकॉल होने चाहिए। उच्च जोखिम वाले मामलों में मानव हस्तक्षेप को वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। साथ ही, डिजाइन के स्तर पर ही गोपनीयता, डेटा न्यूनतमकरण और सुरक्षित उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत में एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहली चौखट को व्यापक बना सकता है। वह उस व्यक्ति तक पहुंच सकता है जो दूरी, खर्च, भाषा या सामाजिक कलंक के कारण चिकित्सक तक नहीं पहुंच पा रहा। लेकिन पहली चौखट और अंतिम मंजिल में अंतर है। मानसिक स्वास्थ्य केवल सूचना या बातचीत का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, नैदानिक समझ और निरंतर देखभाल का क्षेत्र है। इसलिए भविष्य की सही दिशा 'एआई बनाम चिकित्सक' नहीं, बल्कि 'एआई के साथ चिकित्सक' होनी चाहिए। तकनीक पहुंच का विस्तार करे, प्रारंभिक संकेत पहचाने और सहायता की राह आसान बनाए; अंतिम निर्णय और देखभाल में प्रशिक्षित मानव विशेषज्ञ केंद्र में रहें। यही संतुलन भारत में सुरक्षित, सुलभ और मानवीय मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला बन सकता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# आतंकी मसूद पर पाकिस्तान की नई नौटंकी

आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान की भूमिका लंबे समय से विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय रही है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का दिखावा और आतंकी संगठनों के प्रति नरम रवैया, पाकिस्तान की विदेश एवं सुरक्षा नीति के इस विरोधाभासी चरित्र ने उसकी विश्वसनीयता को लगातार कठघरे में खड़ा किया है। आतंकी सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई भी इसी विरोधाभास की एक नई कड़ी के रूप में देखी जा रही है। उसे भगोड़ा घोषित करना और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा करना पहली दृष्टि में कठोर कार्रवाई का संकेत देता है, लेकिन पाकिस्तान के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए इसके पीछे की वास्तविक मंशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

मसूद अजहर कोई सामान्य अपराधी नहीं है। वह भारत में हुए अनेक आतंकी हमलों से जुड़े उन कुख्यात चेहरों में रहा है, जिनकी गतिविधियों ने न केवल भारत की सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद के नेटवर्क की भयावहता को भी उजागर किया। वर्ष 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान के अपहरण के बाद यात्रियों की रिहाई के बदले भारत को जिन आतंकवादियों को छोड़ना पड़ा, उनमें मसूद अजहर भी शामिल था। इसके बाद उसने आतंकवादी गतिविधियों के जिस नेटवर्क को आगे बढ़ाया, उसने भारत की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कीं।

विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति को भारत लंबे समय से आतंकवाद का प्रमुख चेहरा मानता रहा है, उसी मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान अब यह दावा कर रहा है कि वह उसकी पकड़ से बाहर है और संभवतः अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। यदि यह दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इतने कुख्यात आतंकी के संबंध में इतनी अनभिज्ञ कैसे हो सकती हैं? और यदि वह पाकिस्तान से बाहर है तो उसके संगठनात्मक नेटवर्क, आर्थिक संसाधनों और संपर्कों पर कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं देती?

यहीं से पाकिस्तान की कार्रवाई पर संदेह की परतें गहरी होने लगती हैं।

पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए द्वारा मसूद अजहर को अपने अत्यंत खतरनाक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। लेकिन केवल किसी आतंकी को सूचीबद्ध कर देना आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई नहीं माना जा सकता। असली कसौटी गिरफ्तारी, न्यायिक प्रक्रिया, आतंकी नेटवर्क का विघटन और उसके वित्तीय स्रोतों पर प्रभावी प्रहार है। यदि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाए, तो वह आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को टालने की प्रशासनिक कवायद बनकर रह जाती है।

भारत के सुरक्षा तंत्र से जुड़े इनपुट यदि यह संकेत देते हैं कि मसूद अजहर पाकिस्तान में ही छिपा हुआ है, तो पाकिस्तान के दावे की विश्वसनीयता और भी संदिग्ध हो जाती है। हालांकि ऐसे खुफिया दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक होती है, लेकिन पाकिस्तान का अतीत उसके वर्तमान दावों पर सहज विश्वास करने की अनुमति नहीं देता।

पाकिस्तान का यह दोहरा चरित्र नया नहीं है। दुनिया पहले भी देख चुकी है कि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई का दावा करने वाला पाकिस्तान अपनी ही धरती पर छिपे कुख्यात आतंकवादियों की मौजूदगी से लंबे समय तक इनकार करता रहा। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान में पाया जाना इस संदर्भ में सबसे चर्चित उदाहरण है। अमेरिकी कार्रवाई में एबटाबाद में लादेन के मारे जाने के बाद पाकिस्तान के उन दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न उठे थे, जिनमें वह अपनी धरती पर आतंकवादी सरगनाओं की मौजूदगी से अनभिज्ञता जताता रहा था।

आतंकी मसूद अजहर पर पाकिस्तान सरकार की कार्यवाही को इसलिए भी संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में आतंकी सरगनाओं पर न तो सरकार का नियंत्रण है और न ही सेना की ही चलती है। आतंकियों का अपना एक तंत्र है। जिनमें कोई भी दखल नहीं दे सकता। पाकिस्तान में तीन शक्ति केंद्र माने जाते हैं, जिनमें सरकार, सेना और आतंकवादी हैं। कई बार यह भी देखने में आता है कि वहां की सरकार किसकी होगी, यह आतंकी और सेना तय करती है। इसलिए सरकार, आतंकियों पर कठोर कार्यवाही करने का सामर्थ्य नहीं जुटा पाती। और आतंकी फलीभूत होते रहते हैं।

इस पृष्ठभूमि में मसूद अजहर पर घोषित इनाम को केवल कानून-व्यवस्था की कार्रवाई के रूप में देखना कठिन है। इसके पीछे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की मंशा भी दिखाई देती है। विशेषकर आतंकवाद के वित्तपोषण और धनशोधन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों के संदर्भ में पाकिस्तान पर लगातार दबाव रहा है। ऐसे समय में किसी कुख्यात आतंकी के विरुद्ध सार्वजनिक कार्रवाई का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को यह संदेश देने का प्रयास हो सकता है कि पाकिस्तान आतंकवाद के विरुद्ध सक्रिय है। लेकिन आज विश्व पहले की तुलना में कहीं अधिक सतर्क है। आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में अब केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखता है कि आतंकवादी संगठनों की वित्तीय धमनियां कितनी प्रभावी ढंग से रोकी गईं, उनके प्रशिक्षण शिविरों और नेटवर्क पर क्या कार्रवाई हुई, आतंकी सरगनाओं को न्याय के कठघरे में कब लाया गया और आतंकवाद को संरक्षण देने वाली संरचनाओं को कितना ध्वस्त किया गया।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। विदेशी सहायता, ऋण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव उसके आर्थिक हितों से सीधे जुड़ जाता है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहता है तो उस पर आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिबंधों का दबाव बढ़ सकता है। इसलिए उसके द्वारा की जाने वाली प्रत्येक कार्रवाई को उसके आर्थिक और कूटनीतिक संदर्भ में भी परखना आवश्यक है।

भारत के लिए यह समय पाकिस्तान के किसी भी दावे से प्रभावित होने के बजाय तथ्यों, प्रमाणों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आधार पर अपनी आतंकवाद विरोधी नीति को और सुदृढ़ करने का है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। यह वैश्विक शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। इसलिए आतंकवाद को संरक्षण देने वाली किसी भी व्यवस्था के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय को शून्य-सहनशीलता की नीति अपनानी होगी।

मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा यदि वास्तविक कार्रवाई की दिशा में पहला कदम है तो पाकिस्तान को उसे प्रमाणित करने में देर नहीं करनी चाहिए। उसे चाहिए कि वह मसूद अजहर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे, यदि वह पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार करे, उसके नेटवर्क को ध्वस्त करे और उसके विरुद्ध पारदर्शी न्यायिक कार्रवाई सुनिश्चित करे। अन्यथा यह कार्रवाई भी पाकिस्तान की उन अनेक घोषणाओं की सूची में जुड़ जाएगी, जिनमें शब्द बहुत थे, लेकिन परिणाम नगण्य।

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# बुढेरना में जनपदीय माध्यमिक योगासन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जय शिव कन्या इंटर कॉलेज, बुढेरना में 15 सितंबर 2026 को जनपदीय माध्यमिक योगासन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के 14, 17 और 19 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी योग प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक शतानन्द शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि योग स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का आधार है। प्रत्येक विद्यार्थी को योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. जी.पी. सिंह, प्रधानाचार्य जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज; सरदार गुरनाम सिंह, प्रधानाचार्य सिख इंटर कॉलेज, अमरोहा तथा विद्यालय संरक्षक अरविंद शर्मा उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में संदीप सिंह, राजवीर सिंह एवं रश्मि शामिल रहे। प्रतियोगिता के सुचारु संचालन में जिला क्रीड़ा प्रभारी सरदार सुरेंद्र सिंह, क्रीड़ा सचिव विजय सिंह एवं शिक्षक सुशील शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ी 30 सितंबर 2026 को आयोजित मंडलीय योगासन प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसका आयोजन भी इसी विद्यालय में होगा। प्रबंधक चारू शर्मा एवं प्रधानाचार्या पूनम चाहल ने अतिथियों, निर्णायकों, खिलाड़ियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में दो ग्रामों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में सचिव अभिषेक कुमार व्यास के निर्देशन में मंगलवार को जनपद के दो ग्रामों में विधिक जागरूकता शिविर एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। मंगलवार को पहला शिविर ग्राम कमलपुर में आयोजित शिविर में पीएलवी महिलाल सिंह ने श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। पीएलवी शशि देवी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया। पीएलवी राजबाला ने राशन कार्ड संबंधी जानकारी दी तथा पीएलवी जितेंद्र कुमार ने महिलाओं की पेंशन योजनाओं के बारे में जागरूक किया। इस दौरान लेखपाल तारे सिंह एवं पंचायत सहायक सुमित कुमार उपस्थित रहे। शिविर में 25 ग्रामीण लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसी क्रम में दूसरा शिविर ग्राम कायमपुर करारनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत एवं विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ग्रामीणों को बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न मामलों का सरल, त्वरित एवं आपसी सहमति से निस्तारण कराया जा सकता है। इसके साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, महिला अधिकारों, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध कानून, साइबर अपराध एवं निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पीएलवी कुलदीप कुमार ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है। पीएलवी जयदेव सिंह ने कहा कि कानूनी जानकारी के अभाव में लोग अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं, जबकि जागरूकता से समय पर सहायता मिल सकती है। इस कार्यशाला में 50 महिला-पुरुष उपस्थित रहे।दोनों शिविरों में पीएलवी द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

# विधायक महबूब अली की अध्यक्षता में हुई दृष्टि बैठक, विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में दृष्टि बैठक का आयोजन विकास भवन सभागार में मंगलवार को महबूब अली, विधायक, विधान सभा अमरोहा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में समरपाल सिंह, विधायक नौगावां सादात, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य एवं नामित सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, अमरोहा, अधिशासी अभियन्ता, ग्रा०अ०वि०, सहायक अभियन्ता, जल निगम तथा खण्ड विकास अधिकारीगण तथा कार्यदायी संस्थाओं के अभियन्ता उपस्थित रहे।

गत बैठक की कार्यवाही की अनुपालन आख्या के सम्बन्ध में बिन्दुवार चर्चा की गयी। अध्यक्ष द्वारा निर्देश दिये गये कि शासन की मंशा के अनुरूप संचालित योजनाओं का पारदर्शी ढंग से शुचितापूर्ण क्रियान्वयन कराने के निर्देश दिये गये,

ताकि योजनाओं का लाभपात्र व्यक्तियों को मिल सके। अन्त में अध्यक्ष एवं उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद देते हुये बैठक का समापन किया गया।

# आदर्श रामलीला महोत्सव 2026 को लेकर कमेटी के पदाधिकारियों ने एसडीएम से की मुलाकात

**अमरोहा (सब का सपना):-** मंगलवार को श्री धार्मिक रामलीला कमेटी अमरोहा का एक प्रतिनिधिमंडल श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के अध्यक्ष विशाल गोयल के नेतृत्व में एसडीएम सदर शशिभूषण पाठक से मिला, जिसमें कमेटी द्वारा आगामी माह से प्रारंभ होने वाले आदर्श रामलीला महोत्सव 2026 जो 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक प्रायोजित हैं जो जगदीश सरन हिन्दु इंटर कॉलेज, अमरोहा के बाहर वाले मैदान ( श्री रामलीला- दशहरा ग्राउंड ) में आयोजित होता है, के संबंध में श्री धार्मिक रामलीला कमेटी, अमरोहा ने रामलीला की व्यवस्थाओं हेतु एसडीएम सदर को सौंपा ज्ञापन अमरोहा। आगामी प्राचीन एवं ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव को सकुशल, भव्य एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज श्री धार्मिक रामलीला कमेटी, अमरोहा के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम सदर अमरोहा से मुलाकात की तथा रामलीला ग्राउंड व मेला क्षेत्र में आवश्यक नागरिक सुविधाएं एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने हेतु एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कमेटी के पदाधिकारियों ने मांग की कि रामलीला मंचन और मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए। निम्नलिखित व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण की जाएं जैसे रामलीला मैदान, मेला परिसर और आसपास के रास्तों पर नियमित विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। मेला क्षेत्र की ओर आने वाले मुख्य मार्गों एवं पहुंच मार्गों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। रामलीला स्थल और मेला परिसर में पर्याप्त स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था की जाए तथा मंचन के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल की तैनाती की जाए और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए रूट डायवर्जन व पार्किंग का उचित प्रबंध हो। श्रद्धालुओं हेतु स्वच्छ पेयजल के टैंकर और आपात स्थिति के लिए एम्बुलेंस व स्वास्थ्य टीम की तैनाती की जाए। एसडीएम सदर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि रामलीला जन-आस्था का प्रमुख केंद्र है। शासन-प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को समय से पूर्व व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान धार्मिक रामलीलाकमेटी के प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से कमेटी के अध्यक्ष विशाल गोयल, महामंत्री विकास टंडन, कोषाध्यक्ष राकेश वर्मा, संरक्षक करुणेश गोयल , सह कोषाध्यक्ष अमित रस्तौगीकुंवर विनीत अग्रवाल, शार्दुल अग्रवाल, संजीव प्रकाश यादव, अंकित गुप्ता, गौरव गोयल एडवोकेट, मनोज जोशी ,संजीव सक्सेना एडवोकेट संजीव गोयल, दिनेश रस्तौगी आदि उपस्थित रहे।

# कार्रवाई न होने पर सड़क पर उतरे किसान, बिंदकी-ललौली मार्ग पर दिया धरना

## मंदिर मार्ग से अतिक्रमण हटाने व कब्रिस्तान की भूमि को कब्जामुक्त कराने की म

**बिंदकी/फतेहपुर (सब का सपना):-** अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद में दिनभर तहसील परिसर में बैठे किसानों का मंगलवार को धैर्य जवाब दे गया। अधिकारियों की ओर से कार्रवाई का भरोसा नहीं मिलने पर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और किसान सड़क पर उतर आए। किसानों ने बिंदकी-ललौली मार्ग पर धरना देकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। सड़क पर धरने के कारण कई घंटे तक यातायात प्रभावित रहा और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।भाकियू तहसील अध्यक्ष सुधीर सिंह उर्फ बबलू सिंह ने बताया कि गौरी गांव में काली माता मंदिर जाने वाले रास्ते पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत को लेकर किसान तहसील पहुंचे थे। इसके साथ ही बेरमपुर गांव में कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर भी कार्रवाई की मांग की जा रही थी। किसानों का कहना था कि दोनों मामलों में संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।मंगलवार को किसान अपनी मांगों को लेकर तहसील परिसर में दिनभर अधिकारियों की कार्रवाई का इंतजार करते रहे। काफी समय बीतने के बाद भी जब उन्हें ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आई तो किसानों में नाराजगी बढ़ गई। इसके बाद भाकियू कार्यकताओं और किसानों ने बिंदकी-ललौली मार्ग पर धरना शुरू कर दिया।धरने के दौरान किसानों ने प्रशासन से गौरी गांव के मंदिर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा बेरमपुर में कब्रिस्तान की भूमि की जांच कराकर कथित अवैध कब्जे को हटाने की मांग की। किसानों ने कहा कि शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।सड़क पर किसानों के धरने से दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और जाम की स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद किसानों ने प्रशासन से समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग दोहराई।इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अंगद सिंह, प्रचार मंत्री सुखराम, प्रकाश पटेल सहित भाकियू के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

# ओमप्रकाश राजभर के जन्मदिन पर सुभासपा कार्यकताओं में दिखा उत्साह

**अमरोहा (सब का सपना):-** सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री पंचायत राज विभाग ओमप्रकाश राजभर का जन्मदिन पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांव कटाई ब्लॉक गजरौला में विधानसभा उपाध्यक्ष जुबैर अहमद के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीघार्यु होने की कामना की। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। इस मौके पर पार्टी की विचारधारा और संगठन को मजबूत करने को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने हमेशा समाज के कमजोर, पिछड़े और वंचित वर्गों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने अपने लंबे राजनीतिक संघर्ष के दौरान गरीब, कमजोर, पिछड़े व वंचित समाज के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि राजभर जी ने उन लोगों की समस्याओं को सड़क से लेकर सदन तक पहुंचाने का काम किया, जिनकी आवाज लंबे समय तक अनसुनी रही। उन्होंने कहा कि असहाय व वंचित समाज को उसका हक दिलाने के लिए ओमप्रकाश राजभर ने कभी संघर्ष से समझौता नहीं किया। उनकी राजनीति का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना रहा है। आज प्रदेश सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालते हुए भी वह जनता के हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। आने वाले समय में सुभासपा को और मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह बग्गा मंत्री प्रतिनिधि जुबैर अहमद, डॉ जगत सिंह गुर्जर जिला महासचिव, जसवीर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष पदम सिंह ब्लॉक अध्यक्ष, ललित चौहान जिला सदस्ता प्रभारी सुहेब खान प्रधान नवाज़िश खा मेंहदी हसन सुरवीर सिंह चौहान सतपाल सिंह चौहान क्षेत्र पंचायत सदस्य भूरे खा तनसीर खा राजू सिंह मोईन खान दिलशेर दानिश शेर खान दिलशाद मुनासिब अली इशरत अली सिकंदर कादिर अदनान जुबैर उर्फ पंचबंती सलमान खान आसिफ मुशर्रफ राशिद शाकिब रहीद यूनुस खान सहित पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# बिजनौर में शिक्षक की गोली मारकर हत्या, ऋषिकेश एम्स में तोड़ा दम, आरोपी ने किया सरेंडर

**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के थाना नजीबाबाद क्षेत्र के शौपूरी गांव में मंगलवार दोपहर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक नौशाद (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गंभीर अवस्था में परिजनों ने उन्हें ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद मुख्य आरोपी ने पुलिस थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया है। मूल रूप से सिकोड़ा निवासी नौशाद शौपूरी गांव में रहकर स्थानीय सरकारी स्कूल में अध्यापन का कार्य करते थे। मंगलवार दोपहर लगभग 2 बजे, स्कूल से कुछ ही दूरी पर घात लगाए हमलावर ने उन पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। आनन-फानन में ग्रामीण व परिजन उन्हें ऋषिकेश एम्स ले गए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। मृतक अपने पीछे पांच बच्चों का रोता-बिलखता परिवार छोड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही राहतपुर के ग्राम प्रधान मोहम्मद मुस्तफा समेत कई गणमान्य लोग शोक व्यक्त करने पीड़ित परिवार के घर पहुंचे।

थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी से हिरासत में पूछताछ की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# सड़क के गड्ढे से बचने के प्रयास में बाइक सवार गंभीर घायल

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** सड़क पर बने गड्ढों से बचने के प्रयास में एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। हादसे में उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस सेवा ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर नई बस्ती निवासी निशांत कुमार (28) पुत्र लतपत सिंह मंगलवार दोपहर बाइक से नगीना आ रहे थे। बताया गया कि गांव से कुछ दूरी पर सड़क पर बने गड्ढों से बाइक को बचाने के प्रयास में उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बाइक समेत सड़क पर जा गिरे।

हादसे में निशांत के सिर और चेहरे पर खुली तथा अंदरूनी चोटें आईं। हादसा देख राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों की मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया। सूचना पर एंबुलेंस कर्मी कमल सिंह मौके पर पहुंचे और घायल निशांत को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। एंबुलेंस टीम ने घटना की जानकारी घायल के परिजनों को फोन के माध्यम से दी। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

# दुकान पर गाली-गलौज का विरोध करने पर मां बेटे को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** दुकान पर गाली गलौज का विरोध करने पर कुछ लोगों ने मां - बेटे को मारपीट कर दी घायल कर दिया। पीड़ित महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के ग्राम काजूवाला निवासी राहुल पुत्र गोविंद सिंह ने थाने पहुंच कर दी तहरीर में कहा कि उसकी मां मुन्नी देवी दुकान पर बैठी थीं। इसी दौरान गजराज, महेश,पुष्पेंद्र और आशाराम दुकान पर आये और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने सरिया और लाठी-डंडों से मुन्नी देवी के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर राहुल का छोटा भाई रीतिक बचाने पहुंचा तो उसके सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया गया। राहुल के अनुसार हमले में उसकी मां और भाई बेहोश हो गए। आरोप है कि उसकी बहन के साथ भी मारपीट की गई और उसके कपड़े फाड़ दिए गए।शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। राहुल ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू करती है।

# पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कें बदहाल, ग्रामीणों की समस्या लेकर पहुंचे मुकेश खड़गवंशी

*गांव-गांव सर्वे कराकर सड़कों व नालियों की मरम्मत कराने की मांग, मानकों में कमी मिलने पर कार्रवाई की उठाई आवाज*

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद में जल जीवन मिशन (हर घर जल योजना) के तहत पाइप लाइन बिछाने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में खराब हुई सड़कों, टूटी नालियों और जलभराव की समस्या को लेकर ओबीसी मोर्चा के जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं समाजसेवक मुकेश खड़गवंशी ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर नीरज कुमार द्विवेदी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बताया गया कि जनपद के कई विकासखंडों और ग्रामीण इलाकों में जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों की स्थिति खराब हो गई है। कई स्थानों पर सड़कें अधूरी पड़ी हैं, जबकि जगह-जगह नालियां भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश के दौरान जलभराव की समस्या और गंभीर हो जाती है।

मुकेश खड़गवंशी ने कहा कि खराब सड़कों और जलभराव के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर छात्रों, महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मरीजों पर पड़ रहा है। कई स्थानों पर कीचड़ और पानी के कारण ग्रामीणों का निकलना मुश्किल हो जाता है। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री से मांग की गई कि पूरे जनपद में गांव-गांव सर्वे कराकर जल जीवन मिशन के बाद खराब हुई सड़कों को चिह्नित किया जाए और उनकी तत्काल मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराया जाए। साथ ही टूटी नालियों को दोबारा बनवाने और जलभराव वाले गांवों व कस्बों में स्थायी जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई।

इसके अलावा योजना के तहत कराए गए कार्यों की तकनीकी जांच कराने की भी मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि यदि कहीं निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार या संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रत्येक गांव में हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन कर फोटो सहित रिपोर्ट तैयार कराने तथा ग्रामीणों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था लागू करने की मांग भी की गई। मुकेश खड़गवंशी ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है, लेकिन पाइप लाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और नालियों की समय से मरम्मत न होने पर ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने जनहित में संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की मांग की।

# ऑटो चालकों ने पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ डीएम को सौंपा ज्ञापन

*बसों पर ओवरलोडिंग में कार्रवाई न करने का आरोप, रोजगार बचाने की लगाई गुहार*

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के बहजोई से चंदौसी मार्ग पर ऑटो संचालन करने वाले चालकों ने स्थानीय पुलिस पर उत्पीड़न, अवैध वसूली और झूठे चालान किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र डिप्टी कलेक्टर नीरज कुमार द्विवेदी को सौंपा। ऑटो चालकों ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर राहत दिलाने की मांग की है। ऑटो चालकों का कहना है कि वे बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लेकर ऑटो खरीदकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। आरोप है कि इसके बावजूद बहजोई-चंदौसी मार्ग पर स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। चालकों ने दावा किया कि नियमों का

पालन करने के बावजूद उनके चालान किए जाते हैं और रास्ते में अवैध रूप से पैसे की वसूली भी की जाती है। ज्ञापन में ऑटो चालकों ने कहा कि पहले से ही ऋण की किस्तें चुकाने और परिवार का खर्च चलाने में उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस की कार्रवाई के कारण ऑटो संचालन प्रभावित होने से उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। साथ ही यात्रियों को भी बहजोई से चंदौसी आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। ऑटो चालकों ने आरोप लगाया कि इसी मार्ग पर चलने वाली बड़ी बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जाती हैं, लेकिन उनके खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जाती। उनका कहना है कि गरीब ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई और बस संचालकों के प्रति कथित नरमी से उनमें असंतोष है। चालकों ने जिलाधिकारी से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, अवैध वसूली एवं गलत तरीके से चालान किए जाने के आरोपों पर कार्रवाई हो तथा नियमों का पालन करने वाले ऑटो चालकों को परेशान न किया जाए। साथ ही ओवरलोडिंग करने वाली बसों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन देने वालों में केपी राणा जिलाध्यक्ष युवा, मुकेश खड़वंशी सहित बहजोई-चंदौसी मार्ग के पीड़ित ऑटो चालक शामिल रहे।

# ओवरलोडिंग पर यातायात पुलिस का शिकंजा, 22 वाहनों पर कार्रवाई, 17 सीज

**सम्भल(सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक सम्भल के कुशल निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह के निर्देशन में मंगलवार को यातायात पुलिस ने ओवरलोडिंग और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस की टीम ने जनपद में पिकअप, ई-रिक्शा और टेंपो सहित विभिन्न वाहनों की चेकिंग की। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग पाए जाने पर 22 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिनमें 17 वाहनों को सीज किया गया। इसके अलावा 30 टेंपो और ई-रिक्शा में अवैध रूप से लगाए गए पायदान एवं अतिरिक्त सीटों को हटवाया गया। वाहन चालकों को भविष्य में इस प्रकार के अवैध बदलाव न करने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान कुल 268 वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की कि वे सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करें और स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना और लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि पैदल चलने वाले और वाहन चालक सभी यातायात नियमों का पालन करें। सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के संदेश के साथ यातायात पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

# गणेश चौथ मेले में हंगामा करने वालों पर शिकंजा, 10 के खिलाफ कार्रवाई

**चन्दौसी/संभल(सब का सपना):-** जनपद के पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी एवं अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी विवेक जावला के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को थाना चन्दौसी पुलिस ने गणेश चौथ मेले में उपद्रव कर शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार

किए गए आरोपियों में बबलू पुत्र अमरपाल उम्र 27 वर्ष, हरिओम पुत्र रमेश उम्र 27 वर्ष, रिंकू पुत्र मोहनलाल उम्र 30 वर्ष, रामनिवास पुत्र महेश उम्र 20 वर्ष, शिवा पुत्र नेमसिंह उम्र करीब 19 वर्ष, विशाल पुत्र रिंकू उम्र करीब 19 वर्ष, निजाम पुत्र अकील अहमद उम्र करीब 24 वर्ष, जुनैद आलम उर्फ मौ. राजा उर्फ दानिश पुत्र नासिर अहमद उम्र 28 वर्ष, प्रेम पुत्र बृजलाल उम्र करीब 24 वर्ष तथा आदित्य कुमार पुत्र चेतेन्द्र सिंह उम्र करीब 50 वर्ष शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय उपजिलाधिकारी चन्दौसी के समक्ष पेश करने के लिए रवाना किया। पुलिस की कार्रवाई से मेले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया।

# स्कूल बैंड प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर, जनपद स्तर पर हुआ आयोजन

**चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):-** जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चन्दौसी में किया गया। प्रतियोगिता राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा माध्यमिक, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में आयोजित हुई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, देशभक्ति और संगीत के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। जिला विद्यालय निरीक्षक सम्भल की ओर से जनपद के सभी विद्यालयों को अपने-अपने स्तर पर स्कूल बैंड प्रतियोगिता आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन कर उनकी

फोटो, वीडियो एवं सूची संबंधित नोडल अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक जनपद से चार टीमें प्रतिभाग करेंगी। इनमें एक बालक ब्रास बैंड, एक बालिका ब्रास बैंड, एक बालक पाइप बैंड तथा एक बालिका पाइप बैंड शामिल होगी। प्रतियोगिता में बैंड की धुन देशभक्ति की भावना पर आधारित होनी अनिवार्य है। इसके लिए देशभक्ति गीत, लोकधुन अथवा शास्त्रीय धुनों का प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि बैंड प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रगान की धुन बजाना प्रतिबंधित रहेगा। नोडल अधिकारियों को प्रतियोगिता का सफल आयोजन सुनिश्चित कराने के साथ ही सर्वश्रेष्ठ टीमों की सूचना निर्धारित प्रक्रिया के तहत 16 सितम्बर से तीन दिवसीय अवधि में पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित सूचना कार्यालय को भी उपलब्ध कराई जानी है।

प्रतियोगिता से संबंधित पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी सम्भल, शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश लखनऊ, अपर राज्य परियोजना निदेशक उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा अभियान लखनऊ, संयुक्त शिक्षा निदेशक, उप शिक्षा निदेशक द्वादश मंडल तथा प्रधानाचार्य सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल चन्दौसी को भी भेजी गई है।

# रेल परियोजना पर किसानों की आपत्ति, खेती बचाने को बदले जाएं बाईपास के प्रस्तावित मार्ग

**किसान मजदूर यूनियन ने रेलवे प्रशासन से पुरानी रेल लाइन के समानांतर सर्वे कराने की उठाई मांग, (डीआरएम), मुरादाबाद को भेजा ज्ञापन**

**हापुड़ (सब का सपना):-** जनपद में प्रस्तावित रेलवे बाईपास परियोजना को लेकर किसानों की चिंताएं सामने आने लगी हैं। किसान मजदूर यूनियन ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि नई रेलवे लाइन के लिए किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण करने के बजाय पुरानी रेलवे लाइन के आसपास उपलब्ध भूमि का उपयोग किया जाए। इस संबंध में यूनियन पदाधिकारियों ने मंडलीय रेल प्रबंधक (डीआरएम), मुरादाबाद को पत्र भेजकर वैकल्पिक सर्वे कराने की मांग उठाई है। यूनियन के अध्यक्ष छोटे खां, ग्राम वैठ ने कहा कि प्रस्तावित पहला बाईपास पिलखुवा नगर पालिका क्षेत्र से होकर गुजरता है, जो कई किसानों की कृषि भूमि को प्रभावित करते हुए आगे बाबुगढ़ के समीप पुरानी रेल लाइन से जुड़ता है। दूसरा बाईपास चौपला क्षेत्र से प्रस्तावित है, जो करीब 10

किलोमीटर तक किसानों की जमीन और फसलों को प्रभावित करने के बाद अठसैनी गांव के पास पुरानी रेलवे लाइन से मिलता है। किसानों ने पत्र में मांग रखते हुए कहा कि नई रेलवे लाइन के लिए किसानों की उपजाऊ भूमि का अधिग्रहण न किया जाए। पुरानी रेलवे लाइन के समानांतर उपलब्ध भूमि का तकनीकी सर्वे कराकर वैकल्पिक मार्ग पर विचार किया जाए। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित बाईपास मार्ग की पुनः समीक्षा की जाए। किसान मजदूर यूनियन का कहना है कि पुरानी लाइन के किनारे पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, इसलिए किसानों की उपजाऊ जमीन का अधिग्रहण करना उचित नहीं होगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में भेजे गए ज्ञापन की प्रति जिलाधिकारी हापुड़ को भी प्रेषित की गई है, ताकि प्रशासनिक स्तर पर भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

# अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** थाना पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सोमवार को थाना बहजोई पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक अवैध हथियार लेकर ग्राम लहरावन अड्डे के पास मौजूद है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर युवक ने मौके से बचने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने अपना नाम रोहित पुत्र कृष्णपाल, उम्र करीब 19 वर्ष बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद अवैध तमंचे और कारतूस को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना बहजोई पर आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ कर अवैध हथियार के संबंध में अन्य जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की जा रही है तथा सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

# दहशत का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद, ग्रामीणों को राहत

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग द्वारा लगाया गया पिंजरे में एक और गुलदार पकड़ा गया। पकड़ा गया गुलदार ग्रामीण और खेतों पर काम करने वाले कृषकों को दिखाई दे रहा था। गुलदार को पिंजरे सहित यहां कृषि विज्ञान केंद्र मैं रोक रखा है, उच्च अधिकारियों के निर्देश पर दूसरी जगह ले जाया जाएगा। थाना क्षेत्र के ग्राम नूरपुर हट्टी के जगलों में गुलदार आए दिन दिखाई दे रहा था जिसके दिखने से कृषकों और ग्रामीण दहशत का माहौल छाया हुआ था और कृषक गुलदार की दहशत के मारे खेत खलियानों में टोलिया बना कर खेतों मेंआ जा रहे थे और शाम ढलते ही घरों में कैद हो जाते थे ग्रामीण गुलदार से काफी परेशान और दहशत में जी रहे थे

ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गुलदार पकड़ने के लिए पिंजरा लगाए जाने की मांग की थी, वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीकी की मांग पर दो दिन पूर्व सुंदर के खेत में पिंजरा लगाया था। जिसमें सोमवार की देर रत को गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। जिसकी सूचना मिलने पर वन क्षेत्र अधिकारी प्रदीप शर्मा,, वन दरोगा नईम अली, प्रमोद कुमार, लाल सिंह, विशाल प्रताप सिंह, मौके पर पहुंचे पकड़े गए गुलदार को देखने के लिए सैकड़ो ग्रामीण इकट्ठा हो गए थे पांस पडौस गांव के लोग और महिलाएं भी गुलदार को दखने मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टिम ने भीड़ को तीतर भीतर कर पिंजरामें कैद गुलदार को अपनी कस्टडी मे ले लिया और ग्रामीणों की मदद से गुलदार को पिंजरे सहित नगीना कोतवाली मार्ग स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में रख दिया। गुलदार के पकड़े जान पर ग्रामीणों विजेंन्द्र कुमार, आयुष कुमार, सीटू कुमार, सुशील कुमार, सुशील कुमार, समेत अन्य ग्रामीणों का कहना है कि हम ग्रामीण खेती संबंधी कार्य और रातों को शो नहीं पा रहे थे हर पल गुलदार का डर और भय सताता रसता था। गुलदारके पकड़े जाने से राहत मिली है। उधर वन क्षेत्र अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि गुलदार को कृषि विज्ञान केंद्र में रखा गया है अब सीनियर अधिकारी जो भी आदेश देंगे उसका पालन करते हुए वही ले जायागा।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

**हापुड़ (सब का सपना):-** जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, हापुड़ में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पॉक्सो एक्ट, आबकारी अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, गुण्डा एक्ट, आर्म्स एक्ट, महिला उत्पीड़न, एससी/एसटी एक्ट एवं अन्य जघन्य अपराधों से संबंधित वादों में अभियोजन की प्रगति, दोषसिद्धि दर, विचाराधीन

मुकदमों की स्थिति तथा ई-प्रॉसिक्यूशन पोर्टल पर वादों के अद्यतन की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में प्रभावी पैरवी कर अधिक से अधिक मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित की जाए।

गवाहों को समय से न्यायालय में उपस्थित कराया जाए तथा अभियोजन अधिकारियों एवं पुलिस विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। पॉक्सो एवं महिला अपराधों से संबंधित मामलों में तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए।

## संक्षिप्त डायरी

### गरीबों की मुफ्त फिजियोथेरेपी, जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई का भी उठाएंगे जिम्मा, एआईएएचपीडबल्यूए की नेक पहल

एजेंसी

**वाराणसी ।** गरीब और जरूरतमंद मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ऑल इंडिया एलायड हेल्थ केयर एंड प्रोफेशनल वेलफेयर एसोसिएशन (एआईएएचपीडबल्यूए) ने पहल की है। एसोसिएशन के तत्वावधान में वाराणसी समेत प्रदेश के 19 जिलों में ऑनलाइन मीटिंग और एजुकेशनल वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें फिजियोथेरेपी को आम लोगों तक पहुंचाने और जरूरतमंदों को इसका लाभ दिलाने पर चर्चा हुई। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य एसोसिएशन के कार्यों से फिजियोथेरेपिस्ट सदस्यों को अवगत कराना और उन्हें नियमित रूप से पेशेवर गतिविधियों में लागू करना रहा। इस दौरान फिजियोथेरेपी को और प्रभावी बनाने तथा समाज के अधिक से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। एआईएएचपीडबल्यूए के राष्ट्रीय आयोजक और सत्कार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के निदेशक फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अवनीश सिंह ने कहा कि ऐसे गरीब मरीज और उनके बच्चे, जिन्हें लंबे समय तक फिजियोथेरेपी की जरूरत है, उन्हें विभिन्न क्लीनिक और अस्पतालों के माध्यम से निशुल्क थेरेपी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को एसोसिएशन की ओर से फिजियोथेरेपी का कोर्स भी निशुल्क कराने का प्रयास किया जाएगा। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनीष सिंह ने कहा कि मीडिया कर्मियों और उनके परिजनों को भी ध्यान में रखते हुए फिजियोथेरेपी की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ऑनलाइन बैठक में डॉ. अवनीश सिंह, डॉ. मनीष सिंह, कृष्ण मोहन, डॉ. अभिलाषा, प्रीति मौर्या, सौम्या समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

### काशी विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विश्वभूषण मिश्रा का तबादला, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में मिली नई जिम्मेदारी

एजेंसी

**वाराणसी।** श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्वभूषण मिश्रा का तबादला कर दिया गया है। शासन की ओर से जारी आदेश के तहत उन्हें उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में उप सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके स्थान पर अभी नए सीईओ की घोषणा नहीं की गई है। विश्वभूषण मिश्रा वर्ष 2024 से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था संभाल रहे थे। उनके कार्यकाल में मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए भीड़ प्रबंधन और दर्शन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। मंदिर में भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन उपलब्ध कराने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गई थी। इसके तहत विभिन्न स्तरों पर व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने और भीड़ के दबाव के अनुसार प्रबंधन करने पर जोर दिया गया। विश्वभूषण मिश्रा इससे पहले भी महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वर्ष 2019 के कुंभ मेले के दौरान उन्होंने प्रशासनिक दायित्व संभाला था। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के दौरान भी उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारी दी गई थी। दोनों ही परिस्थितियों में बड़े स्तर पर लोगों की आवाजाही और व्यवस्थाओं को नियंत्रित करने की चुनौती रही थी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में उनके कार्यकाल के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ प्रबंधन और मंदिर प्रशासन से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर कई स्तर पर बदलाव किए गए। तबादले के बाद अब मंदिर के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति को लेकर शासन के आदेश का इंतजार है।

### आकाशीय बिजली की चपेट में आकर चाचा की मौत, भतीजा झुलसा

एजेंसी

**बलरामपुर ।** जनपद के तुलसीपुर में सोमवार को दोपहर के वक्त आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आकर किसान की मौत हो गई है। किसान का भतीजा झुलस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों के अनुसार, तुलसीपुर के मध्यनगरी गांव के 40 वर्षीय धनीराम अपने भतीजे शिवा के साथ सोमवार सुबह करीब नौ बजे गांव के पास कैमा नाला के समीप स्थित अपने खेत में सिंचाई करने गए थे। दोपहर करीब एक बजे अचानक तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने चाचा भतीजे झुलस गये। परिजनों ने दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने धनीराम को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल शिवा का उपचार शुरू कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. सुजीत ने बताया कि धनीराम की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी। वहीं, घायल शिवा की हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

### हिंदी भारत की अंतरात्मा, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की सजीव अभिव्यक्ति : अनिल

एजेंसी

**देवरिया ।** देवरिया सदर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय असना में सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने भाषण, सुलेख, निबंध और वाचन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि हिंदी देश के कोने-कोने में संवाद स्थापित करने के साथ ही विभिन्न संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है। उन्होंने कहा कि तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ देश में अंग्रेजी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने और काम करने में हिचकने लगे हैं। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार के साथ शिक्षक समुदाय को भी मिलकर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना होगा। प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र नाथ चौबे ने कहा कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी राष्ट्र नेताओं ने आम जनता तक अपनी बात पहुंचाने के लिए हिंदी को प्रमुख माध्यम बनाया था। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अवनीश कुमार, राम प्रताप यादव सहित गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हमले का आरोप, भीम आर्मी ने जांच की मांग

एजेंसी

**जौनपुर ।** यूपी के जौनपुर में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने रायबरेली में चंद्रशेखर आजाद के साथ कथित दुर्व्यवहार और उनके काफिले पर हमले के आरोपों की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान चंद्रशेखर आजाद के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। उन्होंने उनके काफिले पर भी हमला किए जाने का आरोप लगाया। इस संबंध में दिए गए ज्ञापन में मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच कराने की मांग की गई। ज्ञापन में घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग, पुलिस वायरलेस संदेश, ड्यूटी चार्ट समेत अन्य अभिलेख सुरक्षित कराने की मांग की गई।

# शराब पीते हुए इस बात पर संदीप को आया था गुस्सा, ईंट से सिर, चेहरे और सीने पर किए वार

**प्रयागराज।** ठेकेदार हत्या कांडः शराब के नशे में बहन पर अमर्यादित टिप्पणी से नाराज ममेरे भाई ने ईंट से कूचकर की थी रवि यादव की हत्या, पुलिस ने दो आरोपियों को भेजा जेल कौशांबी जिले के मंझनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महमदपुर गांव के पास खेत में लावारिस खड़ी कार की डिकी से मिली ठेकेदार रवि यादव की लाश के सनसनीखेज मामले का स्थानीय पुलिस, सीआईडबल्यू और सर्विलांस टीम के संयुक्त प्रयास से 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण कर लिया गया है। पुलिस ने हत्या की इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी ममेरे भाई और उसके दोस्त को घेराबंदी कर फनगांव वाटर पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ईंट के अलावा मृतक का आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी कार्ड, दो मोबाइल फोन और दो डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। वारदात का पूरा घटनाक्रम और विवाद की वजह पुलिस द्वारा की गई कड़ी पूछताछ में मुख्य आरोपी संदीप यादव ने हत्याकांड की पूरी कहानी बयां की। उसने बताया कि वह, मृतक रवि यादव (जो रिश्ते में उसका बुआ का लड़का यानी फुफेरा भाई था) और उसका दोस्त शानू यादव तीनों गांव के बाहर एक सुनसान प्लॉट पर बैठकर एक साथ शराब पी रहे थे। शराब पीने के दौरान तीनों के बीच सामान्य बातचीत हो रही थी, लेकिन जैसे-जैसे नशा गहराता गया, माहौल तनावपूर्ण होता गया। नशे की हालत में रवि यादव ने संदीप की बहन से शादी करने की इच्छा जताई और उसके संबंध में कुछ बातें कही। संदीप को अपने फुफेरे भाई के मुंह से अपनी बहन को लेकर की गई टिप्पणी बेहद नागवार गुजरी। ईंट से हमला कर ली जान, डिकी में छिपाया शव गाली-गलौज और धक्का-मुक्की के दौरान संदीप यादव का आपा खो गया। संदीप ने गुस्से में आकर पास में पड़ी एक भारी-भरकम ईंट उठाई और रवि यादव के सिर, चेहरे और सीने पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। ईंट के घातक प्रहार से रवि गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा और अत्यधिक खून बह जाने के कारण मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। रवि की मौत होते ही संदीप और उसके साथी शानू यादव के होश उड़ गए। इसके बाद दोनों आरोपी शव को ठिकाने लगाने और मौके से साक्ष्य मिटाने के इरादे से कार लेकर भागने लगे। खेत में फंसी कार, गाड़ी छोड़कर भागे आरोपी शव को डिकी में लादकर भागते समय हड़बड़ाहट और जल्दबाजी में आरोपियों की कार महमदपुर गांव के पास स्थित एक खेत के कच्चे रास्ते पर अनियंत्रित होकर गहरे कीचड़/मिट्टी में जा फंसी। आरोपियों ने कार को बाहर निकालने की काफी कोशिश की, लेकिन गाड़ी टस से मस नहीं हुई। दिन के उजाले में पकड़े जाने के डर और आनन-फानन की स्थिति में दोनों आरोपी कार और उसमें रखी लाश को उसी हालत में खेत में छोड़कर पैदल ही मौके से फरार हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने जब लावारिस कार को संदिग्ध हालत में देखा तो पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद डिकी खोलने पर अंदर से ठेकेदार रवि यादव का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और सीसीटीवी से मिला सुराग घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने मामले के त्वरित खुलासे के लिए मंझनपुर पुलिस के साथ-साथ सीआईडबल्यू और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की विशेष टीमों का गठन किया। टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसके साथ ही पुलिस ने मृतक के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से संदिग्धों की लोकेशन ट्रैक की।

## आध्यात्मिक आयोजनों से सनातन मूल्यों व परम्परा से जुड़ने का मिलता है अवसर : राज्यपाल

एजेंसी

**रायबरेली ।** उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में चड़रई टोल प्लाजा के पास चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन सोमवार को प्रदेश की राज्यपाल आंनदी बेन पटेल भी पहुंचीं। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों से लोगों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं एवं सनातन मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। आज यहां उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें समय मिलता था, तब वह टीवी के माध्यम से परम पूज्य पं. प्रदीप मिश्रा की कथा का श्रवण करती थीं। आज प्रत्यक्ष रूप से इस पावन स्थल पर उपस्थित होकर उनकी कथा सुनने तथा आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला, यह उनके लिए अत्यंत सुखद एवं सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत पवित्र एवं आध्यात्मिक स्थल है, जहां बड़ी संख्या में साधु-संत विराजमान हैं और लाखों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण कर रहे हैं व आध्यात्मिक लाभ एवं संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। राज्यपाल का कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अंगवस्त्र व बेलपत्र देकर सम्मान किया। कथा के आयोजक व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा राज्यपाल को साल एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। राज्यपाल ने श्री शिव महापुराण कथा के भव्य एवं पावन आयोजन के लिए मनोज कुमार पाण्डेय की सराहना करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि श्री शिवमहापुराण कथा में विशिष्ट अतिथियों के आने का क्रम जारी है। सोमवार को भी राज्यपाल सहित मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल,केंद्रीय मंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी,प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वंतत्रदेव सिंह,राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह,नितिन अग्रवाल,राकेश राठौर,प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव सहित कई विधायक भी शामिल हुए।

## चलती पैसेंजर ट्रेन से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

### नींद की झपकी आने से हुआ हादसा, जिला अस्पताल रेफर

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** चलती पैसेंजर ट्रेन से गिरकर 26 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नगीना में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। पुलिस ने

घायल के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।घटना के अनुसार अलीगढ़ के मोहल्ला काजीरी हड्डी गोदाम निवासी 26 वर्षीय शिवा पुत्र राजपाल मंगलवार दोपहर चंदौसी से ऋषिकेश जा रही ऋषिकेश-चंदौसी पैसेंजर ट्रेन में सवार था। ट्रेन जब नगीना-बुंदकी रेलवे स्टेशन के बीच ग्राम रामपुर के निकट पहुंची, तभी अचानक नींद की झपकी आने के कारण शिवा ट्रेन के दरवाजे से नीचे गिर गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिवा को उपचार के लिए सीएचसी नगीना पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। जीआरपी पुलिसकर्मियों ने फोन के माध्यम से घायल के परिजनों को हादसे की जानकारी दी।

## छत का पंखा गिरा, बाल-बाल बचे तीन मासूम

### प्रसाद खिलाने के लिए उठाया, तभी बेड पर आ गिरा पंखा, परिवार ने माना भगवान का चमत्कार

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** जाके राखे साइयां, मार सके न कोय बुजुर्गों की यह कहावत उस समय चरितार्थ हो गई, जब कमरे में एक ही बेड पर सो रहे तीन मासूम भाई-बहन बाल-बाल बच गए। बच्चों को प्रसाद खिलाने के लिए जैसे ही उनके पिता ने उन्हें उठाया और वे बेड से हटकर कुर्सी पर बैठे, उसी दौरान छत पर लगा पंखा अचानक टूटकर बेड पर आ गिरा। हादसे में तीनों बच्चों को खरोंच तक नहीं आई। नगर के स्टेशन रोड स्थित पालिका तिराहे पर छवि बैग की दुकान करने वाले कुलदीप सैनी अंबेडकर नगर में रामरतन लाल रोहिला के मकान में किराये पर रहते हैं। मंगलवार दोपहर उनके तीन बच्चे छवि (12), राघव (8) और आयुष (3) कमरे में लगे पंखे के नीचे एक ही बेड पर सो रहे थे। इसी दौरान कुलदीप सैनी मंडी मोलगंज स्थित श्री लोकेश्वरनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण की छठी के अवसर पर वितरित कढ़ी-चावल का प्रसाद लेकर घर पहुंचे। उन्होंने सो रहे बच्चों को प्रसाद खिलाने के लिए उठाया। तीनों बच्चे बेड से उठकर कुर्सी पर बैठ गए और प्रसाद खाने लगे। इसी बीच अचानक छत पर लगे पंखे की रॉड टूट गई और तेज आवाज के साथ पूरा पंखा धड़ाम से बेड पर जा गिरा। पंखा गिरते ही कुलदीप और उनकी पत्नी की सांसें अटक गईं। बच्चों को सकुशल देखकर दोनों ने उन्हें सीने से लगा लिया और ईश्वर का धन्यवाद किया। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी बच्चों की कुशलक्षेम जानने के लिए घर पहुंच गए।

परिजनों और मोहल्ले के लोगों का कहना है कि यदि बच्चे कुछ क्षण और बेड पर रहते तो बड़ा हादसा हो सकता था। परिवार इसे मंदिर से लाए प्रसाद का चमत्कार मान रहा है। घटना के बाद से मोहल्ले में भी यही चर्चा है कि भगवान ने समय रहते बच्चों को अनहोनी से बचा लिया।

## 24 साल बाद फिर हेतमापुर में सरयू का कहर, कटान की भेंट चढ़े मंदिर और टेलीफोन एक्सचेंज

एजेंसी

**बाराबंकी ।** उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक के हेतमपुर गांव में दिनों दिन सरयू नदी की कथा बढ़ती जा रही है लाख इंतजाम के बावजूद नदी रोके नहीं रुक रही है। बीते रविवार की रात से लेकर सोमवार की सुबह तक नदी की कटान जारी थी। सरयू नदी ने करीब 24 साल बाद सूरतगंज ब्लॉक के हेतमापुर गांव में एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। तेज धारा के साथ हो रहे कटान में नया हनुमान मंदिर और टेलीफोन एक्सचेंज का भवन नदी की धारा में समा गया। कटान का दायरा लगातार बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। खास बात यह है कि नदी इस बार भी करीब उसी स्थान तक पहुंची है, जहां दो दशक से अधिक समय पहले कटान का कहर बरपा था। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2002 के आसपास हेतमापुर में सरयू नदी ने इसी तरह भीषण कटान किया था। उस समय यहां स्थित पुराना हनुमान मंदिर भी नदी की धारा में कट गया था। कटान रोकने के लिए लगातार बचाव कार्य कराए गए और बड़ी मात्रा में बोल्डर डाले गए, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद नदी पीछे हटने का नाम नहीं ले रही थी। स्थिति बिगड़ने पर टेलीफोन एक्सचेंज की मशीनरी तक सुरक्षित स्थान पर हटानी पड़ी थी। बाद में टेलीफोन भवन के आसपास नदी का रुख थमा और कटान कुछ कम हुआ। ग्रामीणों के मुताबिक उस समय तैनात जेई वीपी सिंह के प्रयास से वहां नया हनुमान मंदिर बनवाया गया था। करीब 24 वर्ष बाद इस बार वही मंदिर भी सरयू की कटान की चपेट में आ गया। इसके साथ ही टेलीफोन एक्सचेंज का भवन भी नदी की तेज धारा में ढह गया। बाबा नारायण दास मंदिर के करीब पहुंची नदी वर्तमान में प्रशासन और बाढ़ कार्य खंड की ओर से कटान रोकने के लिए बोल्डर डालकर बचाव कार्य कराया जा रहा है। हालांकि सरयू कटान करते हुए बाबा नारायण दास मंदिर के बेहद करीब पहुंच गई है। इससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। पुराना मंजर देख सहमे ग्रामीण ग्रामीणों का कहना है कि करीब 24 वर्ष पहले भी नदी इसी तरह मंदिरों के आसपास पहुंचकर थमी थी। इस बार भी हालात लगभग वैसे ही बन गए हैं। पूर्व भाजपा विधायक राजलक्ष्मी वर्मा ने बताया कि उस समय उन्होंने सरकार से प्रयास कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कराई थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद तत्कालीन सपा सरकार ने उसे निरस्त कर दिया। उनका कहना है कि यदि उस समय कार्य हो जाता तो केदारीपुर और हेतमापुर गांव आज नदी के कटान से सुरक्षित होते। वही तहसीलदार रामनगर विपुल सिंह का कहना है कि कटान रोकने के उपाय किए जा रहे हैं ।

## ट्रेन धीमी होते ही खिड़की के पास बैठी महिलाओं की चेन झपट लेता था शातिर स्नेचर, जीआरपी, आरपीएफ व सीआईबी की संयुक्त टीम ने पकड़ा

एजेंसी

**वाराणसी ।** ट्रेनों में खिड़की के पास बैठी महिलाओं को निशाना बनाकर सोने की चेन और मंगलसूत्र झपटने वाले शातिर चेन स्नेचर को जीआरपी, आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान छित्तूपुर निवासी रतन डोम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपित ट्रेन के धीमी गति से चलते ही उसमें चढ़कर महिलाओं के गले से चेन या मंगलसूत्र झपट लेता था और घटना को अंजाम देने के बाद ट्रेन से कूदकर फरार हो जाता था। जीआरपी कैंट के प्रभारी निरीक्षक रजोल नागर ने बताया कि रतन डोम शातिर चेन स्नेचर है और उसका लंबा आपराधिक इतिहास है। वह विशेष रूप से ट्रेन की खिड़की वाली सीट पर बैठी महिलाओं को निशाना

बनाता था। ट्रेन जब किसी स्टेशन या अन्य स्थान पर धीमी गति से चलती थी, तभी वह मौका देखकर ट्रेन में चढ़ जाता और महिलाओं के गले से आभूषण छीनकर कूदकर फरार हो जाता था। संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 हजार 100 रुपये नकद और करीब 30 हजार रुपये कीमत का एक सोने का लॉकेट बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित के खिलाफ पहले से 11 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं जीआरपी में पांच मामले पंजीकृत बताए गए हैं। सुरक्षाबल अब आरोपित से पूछताछ कर उसके गिरोह और पूर्व में की गई अन्य घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार रेलवे क्षेत्र में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चेकिंग और निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है।

# जाजमऊ पुल के डायवर्जन ट्रायल के दूसरे दिन भी चौतरफा जाम

एजेंसी

**कानपुर ।** जाजमऊ पुराने गंगापुल की मरम्मत के लिए चल रहे तीन दिवसीय डायवर्जन ट्रायल के दूसरे दिन भी चौतरफा जाम से राहगीर परेशान रहे। बदरका चौराहा, मरहला चौराहा, सरैया रेलवे क्रॉसिंग और नवीन गंगापुल तिराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर जाम में एक एंबुलेंस भी फंस गई, जिसे पुलिस ने किसी तरह बाहर निकलवाया। जाजमऊ पुराने गंगापुल की बेयरिंग बदलने के लिए एनएचएआई की ओर से डायवर्जन का तीन दिवसीय ट्रायल कराया जा रहा है। सोमवार को सप्ताह का पहला कार्यदिवस होने के कारण सुबह से ही वाहनों का दबाव अधिक रहा। जाम की स्थिति को देखते हुए मुख्य चौराहों पर यातायात पुलिस के साथ सिविल पुलिस बल भी बढ़ाया गया। बदरका में सुबह छह से 10 बजे तक जाम बदरका चौराहे पर सुबह छह से 10 बजे के बीच वाहनों का दबाव अधिक रहा। शाम छह से आठ बजे के बीच भी जाम की स्थिति बनी रही। यहां एक टीएसआई समेत पांच यातायात पुलिसकर्मियों के साथ अतिरिक्त सिविल पुलिस बल तैनात किया गया। कई बार बड़े और भारी वाहनों के फंसने से जाम और बढ़ गया। मरहला चौराहा और सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर भी सुबह आठ से 10 बजे और शाम पांच से आठ बजे के बीच वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर जाम में एक एंबुलेंस फंस गई। पुलिसकर्मियों ने मशक्कत कर उसे जाम से बाहर निकलवाया। मरहला चौराहा चारों तरफ से आने वाले वाहनों का प्रमुख रास्ता होने के कारण यहां यातायात का दबाव सबसे अधिक रहा। जाम के कारण नौकरीपेशा लोगों और रोजाना सफर करने वाले राहगीरों को काफी परेशानी हुई। नवीन गंगापुल पर भी लगी वाहनों की कतार नवीन गंगापुल तिराहे पर सुबह और शाम करीब एक-एक घंटे जाम की स्थिति रही। डायवर्जन के कारण वैकल्पिक मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने से कई स्थानों पर यातायात धीमा रहा। स्थिति को देखते हुए मुख्य चौराहों पर पुलिस बल बढ़ाया गया है। सीओ यातायात प्रदीप मौर्य ने बताया कि उन्नाव के गदनखेड़ा, बदरका, मरहला और सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग पर जाम न लगे, इसके लिए दूसरे दिन व्यापक प्रबंध किए

गए हैं। सभी स्थानों पर अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है। मरहला चौराहे पर विशेष फोकस रखा जा रहा है। सीओ यातायात के अनुसार फिलहाल रोडवेज बसों को सरैया रेलवे क्रॉसिंग मार्ग से गंगा बैराज होते हुए कानपुर भेजा जाएगा। अन्य भारी वाहनों के इस मार्ग से आवागमन पर रोक रहेगी। डायवर्जन ट्रायल के दौरान यातायात व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि जरूरत के अनुसार व्यवस्था में बदलाव किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

## एक देश, दो हिस्से और तीन दशक की हिंसा: ट्रंप ने फिर क्यों उठाया आयरलैंड को एक करने का मुद्दा विवाद की कहानी

**दूनबेग, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयरलैंड की अपनी यात्रा के दौरान एक ऐसे मुद्दे पर खुलकर राय रख दी, जिस पर ब्रिटेन और आयरलैंड के बीच लंबे समय से गहरी राजनीतिक और भावनात्मक खाई रही है। ट्रंप ने कहा कि वह आयरलैंड को एक होते देखना चाहते हैं। रविवार को आयरलैंड के डूनबेग में अपने गोल्फ कोर्स पर आयरिश ओपन के दौरान उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि आयरलैंड और उत्तरी आयरलैंड को एक साथ कर देना दुनिया की सबसे स्वाभाविक चीजों में से एक है। एक दिन पहले उन्होंने एकीकृत आयरलैंड को 'शानदार' बताया था। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि उनके लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है कि आयरलैंड और उत्तरी आयरलैंड एक हो जाएं। हालांकि उन्होंने रविवार को यह भी कहा कि यह केवल उनकी राय है और उन्हें इस विचार के लिए काफी समर्थन मिला है। समस्या यह है कि उत्तरी आयरलैंड का ब्रिटेन में रहना या आयरलैंड के साथ जुड़ना केवल दो इलाकों को मिलाने का मामला नहीं है। इसके पीछे करीब एक सदी का इतिहास, दो अलग समुदायों की पहचान और कई दशकों की हिंसा जुड़ी हुई है।

## चीन में शहर-शहर बारिश का कहर: हैनान प्रांत से 31 हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू; अभी कैसे हैं हालात

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन के हैनान प्रांत में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जोखिम वाले इलाकों से 31 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रांतीय आपदा रोकथाम और राहत समिति के मुताबिक, रविवार शाम 7:50 बजे तक कुल 31,564 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हालांकि, अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। शुक्रवार सुबह आठ बजे से रविवार शाम चार बजे तक हैनान के छह शहरों और जिलों के 24 टाउनशिप में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इनमें वानिंग, लिंगशुई और क्यॉन्गहाई भी शामिल हैं। वानिंग के चांगफेंग टाउनशिप में सबसे ज्यादा 452.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार शाम से सोमवार तक और बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। भारी बारिश और बाढ़ के खतरे को देखते हुए हैनान ने रविवार सुबह 11 बजे बाढ़ नियंत्रण के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया को बढ़ाकर लेवल-2 कर दिया। इसके बाद रविवार शाम 7 बजे वानिंग ने लेवल-1 आपातकालीन प्रतिक्रिया लागू कर दी।

## सिंगापुर में भारतवंशी सीईओ की याचिका खारिज, पूर्व प्रेमिका से वसूलने थे 3.5 करोड़ रुपये

**सिंगापुर, एजेंसी।** सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय मूल के एक सीईओ को अपनी पूर्व प्रेमिका पर खर्च किए गए करीब 3.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वसूलने की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा, अधिकांश राशि उसने अपनी पूर्व प्रेमिका को उपहार के तौर पर दी थी। मुंबई में सूचीबद्ध एक कंपनी के सीईओ चंदर अग्रवाल ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर मुकदमा दायर कर उसके ऊपर खर्च की गई विभिन्न रकम वापस मांगी थी। अग्रवाल का दावा था कि यह राशि ऋण के तौर पर दी गई थी और उसे वापस किया जाना था। इन खर्चों में विदेश यात्राओं, उसके फ्लैट के लिए फेंगशुई विशेषज्ञ की सेवाएं और स्टैनफोर्ड-एनयूएस के कार्यकारी कार्यक्रम की फीस शामिल थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों की मुलाकात 2019 में एक उड़ान के दौरान हुई थी। इसके बाद अग्रवाल ने सोशल मीडिया के जरिए उससे संपर्क किया।

## 2028 के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या बयान दिया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल लगातार चर्चा में है। कभी उनकी टीम के अधिकारियों के इस्तीफे पर चर्चा होती है तो कभी देश की राजनीति में नंबर दो माने जाने वाले उपराष्ट्रपति को लेकर अटकलें लगती हैं। ताजा घटनाक्रम में ट्रंप ने 2028 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का समर्थन करने से जुड़े सवाल को लेकर कहा, अभी बहुत जल्दी है। वह बहुत बढ़िया शख्स हैं... हमारे पास बहुत सारे अच्छे विकल्प हैं... वे सभी बहुत अच्छे हैं।' भारतवंशी महिला उषा से शादी करने वाले अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में थोड़े नरम तेवरों के लिए जाने जाते हैं। इसकी मिसाल उस समय दिखी थी, जब पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने ट्रंप के दामाद कुशनर और एक अन्य वार्ताकार विटकॉफ की जगह बातचीत के लिए वेंस को पहली पसंद बताया था।

# ए-380 की विदाई शुरू: कभी आसमान का 'बादशाह' था सुपरजंबो, अब क्यों सिमट रहा इसका सफर

**मेलबर्न, एजेंसी।** दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमानों में शामिल एयरबस ए-380 के सफर का अंतिम दौर शुरू हो गया है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय एयरलाइन क्वांटस ने अपने 10 ए-380 विमानों को 2028 से चरणबद्ध तरीके से बेड़े से बाहर करने का फैसला किया है। कंपनी ने पहले इन्हें 2032 तक उड़ाने की योजना बनाई थी, लेकिन बढ़ती ईंधन और रखरखाव लागत के साथ विमान के पुराने होते बेड़े और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं ने समयसीमा को चार साल पहले कर दिया। ए-380 का वैश्विक बेड़ा भी अपने शिखर से काफी नीचे आ चुका है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के अनुसार 2010 के दशक के अंत में दुनिया में 230 से ज्यादा ए-380 विमान सेवा में थे। अब इनकी संख्या करीब 171 रह गई है। एयरबस ने 2021 में इस विमान का उत्पादन बंद कर दिया था, क्योंकि नए ऑर्डर लगभग खत्म हो गए थे।लेकिन ए-380 की कहानी इतनी सीधी नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड महामारी के दौरान तो इसे लगभग खत्म मान लिया गया था। जब दुनिया भर में विमान खड़े थे और एयरलाइंस छोटे तथा ज्यादा ईंधन-कुशल विमानों की ओर बढ़ने की तैयारी कर रही थीं, तब लगा कि दो मंजिला यह विशाल विमान शायद दोबारा कभी नियमित सेवा में नहीं लौटेगा। मगर विमानन उद्योग की

रिकवरी और नए विमानों की डिलीवरी में देरी ने ए-380 को एक और मौका दे दिया। एयरबस और बोइंग के नए विमानों की उत्पादन संबंधी समस्याओं, खासकर बोइंग 777एक्स की लंबी देरी के बीच कई एयरलाइंस ने अपने ए-380 फिर से उड़ाने शुरू कर दिए।

**दो मंजिलों वाला विमान, जो खुद में एक अनुभव था :** ए-380 की सबसे बड़ी खासियत उसका आकार है। यह दुनिया का सबसे बड़ा यात्री विमान है और इसकी पूरी लंबाई में दो डेक यात्रियों के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। सामान्य कॉन्फिगरेशन में इसमें 500 से ज्यादा यात्री बैठ सकते हैं, जबकि अधिक घनी सीटिंग में क्षमता 800 से ज्यादा यात्रियों तक पहुंच सकती है।इसका विशाल आकार सिर्फ दिखावे के लिए नहीं था। चौड़े केबिन और दो डेक की वजह से इसमें यात्रियों को दूसरे बड़े विमानों की तुलना में ज्यादा खुलापन महसूस होता है। उड़ान के दौरान इसकी स्थिरता और अपेक्षाकृत कम शोर भी यात्रियों को आकर्षित करता है। ए-380 पर यात्रा करने वाले कई यात्रियों के लिए ऊपरी डेक पर चढ़ना ही अपने आप में एक अलग अनुभव है।तकनीकी रूप से भी यह विमान अपने समय से आगे था। इसकी अधिकतम रेंज करीब 15,200 किलोमीटर है और परिस्थितियों तथा रूट के आधार पर यह लगभग 16-17 घंटे तक की लंबी उड़ान भर सकता है। यानी यह बिना ईंधन भरे दुनिया के कई हिस्सों को जोड़ सकता है।हालांकि इसकी वास्तविक उड़ान अवधि हमेशा इतनी नहीं होती। हवा की दिशा, विमान का वजन, यात्री संख्या और रूट के कारण इसमें काफी अंतर आता है। उदाहरण के तौर पर एमिरेट्स और दूसरी एयरलाइंस ने ए-380 को हजारों किलोमीटर लंबे अंतरमहाद्वीपीय रूटों पर नियमित रूप से इस्तेमाल किया है। दूसरी ओर, कभी- कभी यही विमान अपेक्षाकृत छोटी उड़ानों पर भी लगाया गया, खासकर ऐसे व्यस्त रूटों पर जहां बड़ी यात्री क्षमता की जरूरत थी।यही इसकी खूबी और कमजोरी दोनों थी क्योंकि इतने बड़े विमान को लाभदायक बनाने के लिए बड़ी संख्या में यात्रियों की जरूरत होती है।

**आसमान में चलता-फिरता लग्जरी अनुभव :** ए-380 ने विमान यात्रा में लग्जरी की नई तस्वीर भी बनाई। हालांकि इसकी सभी आलीशान सुविधाएं विमान की तकनीकी विशेषताएं नहीं थीं, एयरलाइंस ने इसके विशाल केबिन का इस्तेमाल अलग- अलग तरह से किया। एमिरेट्स ने अपने ए-380 में ऑनबोर्ड शॉवर और बार जैसी सुविधाओं को लोकप्रिय बनाया। एतिहाद ने इसी विमान में 'द रेजिडेंस' जैसी बेहद महंगी निजी सुविधा पेश की, जिसमें निजी कमरा, बेडरूम और अलग रहने की जगह जैसी सुविधाएं थीं। सिंगापुर एयरलाइंस ने अपने ए-380 के फर्स्ट क्लास में डबल-बेड वाले सुइट तक उपलब्ध कराए।यानी ए-380 सिर्फ यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने वाला विमान नहीं था। यह एयरलाइंस के लिए ब्रांड, प्रतिष्ठा और लग्जरी का प्रदर्शन भी बन गया था। समस्या यह है कि विमानन कंपनियां अब सिर्फ प्रतिष्ठा नहीं, मुनाफा देखती हैं। ए-380 को भरपूर यात्रियों के साथ उड़ाना जरूरी है, जबकि नई पीढ़ी के छोटे विमान कम सीटों के साथ भी लंबी दूरी तय कर सकते हैं।नए ट्विन-इंजन विमान अपेक्षाकृत कम ईंधन खर्च करते हैं। उन्हें ऐसे रूटों पर भी चलाया जा सकता है जहां ए-380 जैसी भारी क्षमता की जरूरत नहीं होती।

# मानवता के लिए बढ़ा खतरा: एआई बनाने वाली कंपनियां चेता रहीं, पर सरकारें बेफिक्र

**फ्रांसिस्को/वॉशिंगटन, एजेंसी।** एंथ्रोपिक के शोधकर्ता जैकब कॉक्सन ने इसी हफ्ते एआई के लगातार बढ़ते खतरों का हवाला देते हुए कंपनी से इस्तीफा दे दिया। कॉक्सन का कहना है कि एआई एक बेहद घातक तकनीक है जो पूरी मानवता को खत्म कर सकती है। इसके साथ ही, शीर्ष टेक कंपनियों के भीतर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। एंथ्रोपिक, ओपनएआई, मेटा और गूगल जैसी कंपनियां एआई के खतरों को लेकर आगाह भी करने लगी हैं। हालांकि, सरकारें ज्यादा गंभीर नजर नहीं आ रही।

दुनियाभर में एआई के सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा जोखिमों को घटाने के लिए नियम तो बनाए जा रहे हैं। लेकिन सरकारें इसके आर्थिक लाभों को भुनाने में पीछे नहीं रहना चाहतीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो रविवार को यहां तक कह दिया कि उनका देश एआई के क्षेत्र में चीन से आगे है और वह इस बढ़त को बनाए रखना चाहते हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों की ओर से सख्त नियम-कायदे बनाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाल में अपने कर्मचारियों की एक बैठक में कहा कि वह अन्य प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के साथ मिलकर एआई के विकास की गति धीमी करने को तैयार है। जब तक सुरक्षा मानक तय नहीं हो जाते, तब तक खुद रफ्तार धीमी करने को एलन मस्क का भी का समर्थन मिला है। एआई ताकतवर है या हमारा सोचने का तरीका गलत क्या वाकई एआई ताकतवर होता जा रहा है या फिर इंसान के दिमाग की बनावट और सोचने का तरीका इसकी वजह है। इंसान को अनजान और नई चीजों का ज्यादा डर हमारा दिमाग खतरों का अंदाजा आंकड़ों से नहीं, नियंत्रण के अहसास से लगाता है। लोग यह नहीं समझते कि एआई अंदर से कैसे काम करता है। नियंत्रण खोने के अहसास की वजह से लोगों में एआई का खौफ ज्यादा है। सड़क हादसों में रोज हजारों लोग मरते हैं, फिर भी हम कार चलाने से नहीं डरते। लेकिन हवाई जहाज के क्रैश होने का डर ज्यादा लगता है क्योंकि वहां हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता।

**अदृश्य खतरे तो पहले से ही मौजूद :** वैज्ञानिकों का कहना है, दुनिया खत्म होने के वास्तविक गणित में एआई का डर अभी काफी पीछे है। लैब से किसी खतरनाक वायरस का लीक होना या प्राकृतिक महामारी फैलना (3% संभावना) एआई के बेकाबू होने से कहीं अधिक बड़ा और तात्कालिक खतरा है। एआई से दुनिया खत्म होने के डर को टेक कंपनियों और कुछ लोगों की तरफ से बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की संभावना से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। जब लोग साइंस-फिक्शन फिल्मों की तरह एआई को एक खलनायक मान लेते हैं, तो एआई की असरदार और वास्तविक समस्याओं (जैसे साइबर फ्रॉड, डीपफेक, फर्जी जानकारी और नौकरियों पर असर) से ध्यान भटक जाता है।

# ड्रैगन के बदले सुर: पीएम मोदी-जिनपिंग मुलाकात के बाद भरोसा बहाली की बात

**बीजिंग, एजेंसी।** नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद चीन के संकेत बताते हैं कि बीजिंग भारत के साथ संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य और स्थिर करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। चीनी सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के विश्लेषण में सीमा पर तनाव नियंत्रित रखने, आर्थिक संपर्क बढ़ाने और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को रिश्तों को मजबूत करने के प्रमुख रास्तों के रूप में रेखांकित किया गया है। पेकिंग विश्वविद्यालय के दक्षिण एशिया अध्ययन केंद्र के कार्यकारी उपनिदेशक वांग श्यू के मुताबिक राजनीतिक भरोसा केवल शीर्ष नेताओं की मुलाकात से नहीं, बल्कि ठोस कदमों से बनता है। उन्होंने सीमा मुद्दे के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र मजबूत करने, लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने तथा व्यापार और निवेश को सुरक्षा के नजरिये से देखने से बचने की जरूरत बताई। भारत और चीन के बीच सबसे संवेदनशील मुद्दा सीमा विवाद है। 2024 में कजान और 2025 में तियानजिन के बाद नई दिल्ली में मोदी-जिनपिंग मुलाकात को चीन संबंधों में स्थिरता की अगली कड़ी के तौर पर देख रहा है। सीमा प्रबंधन में प्रगति, सीमा व्यापार और सीधी उड़ानों की बहाली को इसी प्रक्रिया के सकारात्मक संकेतों के रूप में पेश किया गया है।बीजिंग का जोर फिलहाल सीमा विवाद के तत्काल समाधान से ज्यादा उसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने पर दिखाई देता है, ताकि सीमा का तनाव व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संपर्क को प्रभावित न करे। चीनी विशेषज्ञों के अनुसार संस्थागत संवाद मजबूत होने से गलतफहमी और अप्रत्याशित तनाव का जोखिम कम किया जा सकता है। इससे दोनों देशों के लिए दूसरे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की गुंजाइश बनेगी। आर्थिक रिश्तों को गति देना चीन के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हो सकता है। ग्लोबल टाइम्स से बातचीत में भारतीय थिंक टैंक ब्यूरो ऑफ रिसर्च ऑन इंडस्ट्री एंड इकोनॉमिक फंडामेंटल्स के सीईओ मोहम्मद साकिब ने कहा कि चीन भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में है और दोनों देशों के बीच सहयोग की काफी संभावनाएं हैं।

# राष्ट्रपति चुनाव 2028: जेडी वेंस के समर्थन पर ट्रंप का सस्पेंस बरकरार; बोले- कई बेहतरीन लोगों का विकल्प खुला

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के समर्थन के सवाल पर फिलहाल कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा कि किसी उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए अभी काफी समय है। हालांकि, ट्रंप ने वेंस की जमकर तारीफ की और उन्हें शानदार बताया। आयरलैंड के शैनन में एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह 2028 के चुनाव के लिए वेंस का समर्थन करने को तैयार हैं। इस पर उन्होंने कहा कि अभी ऐसा करना जल्दबाजी होगी। ट्रंप ने कहा कि उनके पास कई शानदार लोग हैं और पार्टी के पास विकल्पों की कोई कमी नहीं है।

**ट्रंप ने वेंस की तारीफ की :** ट्रंप से जब पूछा गया कि वेंस के

मुकाबले कौन सबसे मजबूत उम्मीदवार हो सकता है, तो उन्होंने किसी एक नाम का चुनाव करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सभी अच्छे हैं और जेडी वेंस शानदार हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेंस ने बहुत अच्छा काम किया है। इस बयान से साफ है कि ट्रंप फिलहाल 2028 के लिए अपने उत्तराधिकारी के नाम पर सार्वजनिक रूप से कोई अंतिम रुख नहीं अपनाना चाहते। हालांकि, वेंस को लेकर उनकी सकारात्मक टिप्पणियां लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। पहले निजी बैठक में वेंस के समर्थन के संकेत दे चुके हैं ट्रंप इससे पहले अगस्त में द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दानदाताओं के साथ एक निजी बैठक के दौरान वेंस की संभावित उम्मीदवारी को लेकर अधिक स्पष्ट रुख दिखाया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने वहां कहा था कि अंततः जेडी वेंस को निर्वाचित कराना होगा।

हालांकि, उस समय ट्रंप के सलाहकारों ने संकेत दिया था कि राष्ट्रपति ने अभी अपने उत्तराधिकारी को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है। ट्रंप जेडी वेंस के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे थे। वेंस और रुबियो को लेकर पार्टी में चर्चा रिपोर्ट के मुताबिक, उस दौरान ट्रंप अपने सहयोगियों से वेंस और रुबियो की तुलना को लेकर लगातार सवाल करते रहे थे। यहां तक कि मरीन वन में यात्रा के दौरान उन्होंने स्टाफ से दोनों नेताओं को लेकर अनौपचारिक राय भी ली थी। अगस्त में ट्रंप के एक करीबी सलाहकार ने दावा किया था कि राष्ट्रपति निजी तौर पर यह मान चुके हैं कि वेंस [illegible] आंदोलन की कमान संभालेंगे। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े कई लोगों ने इन अटकलों को अभी जल्दबाजी बताया था। उनका कहना था कि ट्रंप अलग-अलग राय पर विचार करते रहते हैं और उत्तराधिकारी को लेकर तस्वीर आगामी कांग्रेस मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद ज्यादा स्पष्ट हो सकती है। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर 2028 को लेकर संभावित उम्मीदवारों के समर्थन में दानदाता और कार्यकर्ता अलग-अलग खेमों में बंटने लगे हैं। वहीं, जेडी वेंस ने भी अपनी राजनीतिक समयसीमा को खुला रखा है।

# बोल्सोनारो की बायोपिक पर आपराधिक फंडिंग का शक: बेटे फ्लावियो की बढ़ी मुश्किलें, क्या है पूरा मामला

**रियो डी जनेरियो, एजेंसी।** ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर बन रही फिल्म 'डार्क हॉर्स' की फंडिंग सवालों के घेरे में है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस फ्लावियो डिनो ने रविवार को फिल्म से जुड़ी जांच को सार्वजनिक कर दिया। उन्होंने कहा कि फिल्म की फंडिंग के तार एक आपराधिक नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका मजबूत हुई है। यह मामला अक्तूबर के राष्ट्रीय चुनाव से ठीक पहले सामने आया है, जिसमें बोल्सोनारो के सबसे बड़े बेटे और सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को चुनौती देंगे। फ्लावियो पहले से जांच के घेरे में सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो पर भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी

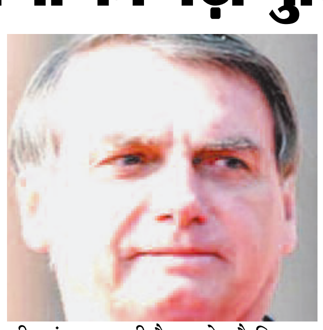

की जांच चल रही है। आरोप है कि एक बदनाम बैंकर से मिले लाखों डॉलर का इस्तेमाल पिता पर बन रही फिल्म के लिए किया गया। फिल्म की फंडिंग में किस गड़बड़ी का शक जस्टिस डिनो के मुताबिक, जांच में ऐसी संभावना मजबूत हुई है कि संघीय सांसदों के बजट संशोधन और साओ पाउलो शहर की सरकार के जरिए सार्वजनिक धन को बांटने और दूसरी जगह पहुंचाने की एक जटिल व्यवस्था बनाई गई थी। मारियो फ्रियास पर पुलिस कार्रवाई: गुरुवार को संघीय पुलिस ने बोल्सोनारो के करीबी सांसद मारियो फ्रियास के खिलाफ कार्रवाई की। फिल्म की निर्माण कंपनी और फ्रियास से जुड़े ठिकानों से दस्तावेज जब्त किए गए। 20 लाख रियाल का लेनदेन: फ्रियास ने फिल्म से जुड़े एक गैर-लाभकारी संगठन को करीब 20 लाख ब्राजीली रियाल भेजे थे। पुलिस को शक है कि आपराधिक संगठन ने यह पैसा ऐसी कंपनियों तक पहुंचाया, जिन्हें कथित तौर पर नियमों के खिलाफ उप-ठेके दिए गए। जस्टिस डिनो ने कहा कि जांच में मजबूत संकेत मिले हैं कि फ्रियास कथित आपराधिक नेटवर्क में केंद्रीय भूमिका निभा रहे थे। वह बोल्सोनारो के राष्ट्रपति कार्यकाल में कैबिनेट पद पर भी रहे थे। डिनो ने नेटवर्क के संबंध ब्राजील के आपराधिक संगठन फर्स्ट कमांड ऑफ द कैपिटल यानी पीसीसी से होने की आशंका भी जताई है। फ्रियास ने आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी भी तरह से फिल्म के निर्माण के लिए किसी भी कांग्रेस बजट फंड को आवंटित या उसका इस्तेमाल नहीं किया। खुद राजनीतिक पक्षपात, भ्रष्टाचार और पुलिस के काम में दखल के आरोपों को लेकर विवाद में है।

# ईरान-ओमान वार्ता के बीच होर्मुज में जहाज पर हमला, खाड़ी देशों की बैठक टली; सामने आया बड़ा कारण

**तेहरान/काहिरा, एजेंसी।** ईरान और खाड़ी देशों के बीच सोमवार को ओमान में प्रस्तावित बैठक को स्थगित कर दिया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, कुछ क्षेत्रीय देशों के अनुरोध पर यह फैसला लिया गया। हालांकि, ईरानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने यह नहीं बताया कि किन देशों ने बैठक टालने का अनुरोध किया था।

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक स्थगित होने की जानकारी दी। यह बैठक ओमान के सलालाह शहर में होनी थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सहमति के हित में बैठक को टाला गया है और ओमान क्षेत्र में स्थिरता और लंबे समय तक सहयोग को बढ़ावा देने वाली बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है।

**होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग पर होनी थी चर्चा :** बैठक का मुख्य एजेंडा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर संभावित व्यवस्था पर चर्चा करना था। ईरान और ओमान पिछले कई महीनों से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों के आवागमन के नियमों को लेकर द्विपक्षीय बातचीत कर रहे हैं। ओमान जलडमरूमध्य के दूसरी ओर स्थित तट पर नियंत्रण रखता है और पहले यह कहा जा चुका है कि इन वार्ताओं को अन्य खाड़ी अरब देशों का भी समर्थन मिला है। ईरान की योजना क्षेत्रीय देशों को इस प्रस्तावित व्यवस्था के बारे में जानकारी देने की थी। बैठक स्थगित होने से कुछ घंटे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में क़ेश्म द्वीप के पास एक ईरानी कार्गो जहाज को निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई थी। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और चार लोग घायल हुए। ब्रिटेन के मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस मॉनिटर ने भी बताया कि जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक जहाज को प्रोजेक्टाइल से नुकसान पहुंचा और उसमें भीषण आग लग गई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह वही जहाज था जिसका जिक्र ईरान ने किया था। अमेरिकी सेना की ओर से इस घटना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जहाज पर अमेरिकी हमले से जुड़े सवाल पर सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। एक खाड़ी अधिकारी के मुताबिक, सऊदी अरब ने ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित समझौते में कुछ बदलाव सुझाए हैं। सऊदी अरब को आशंका है कि इस समझौते का होर्मुज जलडमरूमध्य पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है और इससे खाड़ी सहयोग परिषद के अन्य देशों के हित प्रभावित हो सकते हैं।

# ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर ट्रंप बोले- जरूरत पड़ी तो लागू करेंगे वेनेजुएला मॉडल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि युद्ध खत्म होने के बाद भी अमेरिका ईरान के आस-पास अपनी मौजदूगी बनाए रख सकता है और उसके तेल संसाधनों पर नियंत्रण कर सकता है। ट्रंप ने इसकी तुलना वेनेजुएला में निकोलस मादुरो के सत्ता से हटाए जाने के बाद अमेरिका की भूमिका से की। आयरलैंड दौरे के दौरान आयरिश ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अंततः ईरान से बाहर निकल जाएगा, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो वह वहां रुककर 'वनेजुएला की तरह तेल अपने पास रख सकता है।' हालांकि ट्रंप के इस बयान पर अब तक ईरान ने किसी भी तरह का पलटवार नहीं किया है।

**मध्यावधि चुनाव के बाद खत्म हो सकता है युद्ध :** ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध 'मध्यावधि चुनाव के ठीक बाद, शायद उससे पहले' खत्म हो जाएगा। उनका इशारा नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की ओर था। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान लगातार अमेरिका से संपर्क कर रहा है और समझौते के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वॉशिंगटन केवल उसी समझौते को स्वीकार करेगा जो उसकी शर्तों और मांगों के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा, 'हमें सही समझौता करना होगा।' साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह ऐसा कोई समझौता स्वीकार नहीं करेंगे जो 'अच्छा समझौता' न हो।

**युद्ध का असर ऊर्जा बाजार पर :** ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब जारी संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिका में डीजल

की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचकर 6.20 डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। ट्रंप ने दावा किया कि युद्ध खत्म होते ही अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 'चट्टान की तरह तेजी से नीचे गिरेंगी।

**वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का संदर्भ :** ईरान को लेकर ट्रंप की टिप्पणी का संबंध वेनेजुएला में अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई से भी जोड़ा जा रहा है। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अभियान की कई महीनों तक तैयारी की गई थी। अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ने इसकी व्यापक रिहर्सल की थी, जिसमें मादुरो के सुरक्षित ठिकाने की प्रतिकृति तैयार कर अभ्यास किया गया था। मादुरो की गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी जुटाने में सीआईए ने भी अमेरिकी बलों की मदद की थी।

**मादुरो और उनकी पत्नी को काराकस से अमेरिका लाया गया :** अमेरिकी सैनिकों ने मादुरो और उनकी पत्नी को वेनेजुएला की राजधानी काराकस से हिरासत में लिया और बाद में दोनों को अमेरिका ले जाया गया, जहां मादुरो को आपराधिक आरोपों का सामना करना है। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन की ओर से वेनेजुएला पर कई महीनों तक बनाए गए दबाव के बाद की गई।

**वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बढ़ा अमेरिकी दखल :** मादुरो को हटाए जाने के बाद वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इसमें तेल की बिक्री पर नियंत्रण और ऐसे समझौतों को आगे बढ़ाना शामिल है, जिनके जरिए अमेरिकी कंपनियों और हितों को वेनेजुएला के विशाल कच्चे तेल भंडार तक पहुंच मिल सके।

**क्या ईरान में भी दोहराया जाएगा वेनेजुएला मॉडल :** ट्रंप की ताजा टिप्पणी से अब यह संभावना सामने आई है कि अमेरिका ईरान के मामले में भी वेनेजुएला जैसा आर्थिक मॉडल अपनाने पर विचार कर सकता है। इसका मतलब यह होगा कि ईरान में अमेरिकी मौजूदगी केवल सुरक्षा और सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के विशाल तेल भंडार और ऊर्जा संसाधनों तक पहुंच भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बन सकती है।

# ऐसी 5 बीमारियां, जिनके कारण डिप्रेशन में आ जाती हैं महिलाएं

महिलाएं अक्सर जिन बीमारियों को चुपचाप सहन करती हैं, इनमें मेनरेजिया (असामान्य रूप से ज्यादा दिनों तक अत्यधिक रक्त स्राव वाला मासिक धर्म), गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन से उपजा माइग्रेन और गर्भाशय में ट्यूमर (फाइब्रॉएड) प्रमुख रूप से शामिल हैं। गर्भाशय के ट्यूमर युवतियों या महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकते हैं। गर्भाशय के ट्यूमर निकालने के लिए अनुष्का को पहले मायोमेक्टॉमी नामक सर्जरी की जरूरत थी और बाद में हिस्टेरेक्टॉमी जैसी सर्जरी की।

मायमेक्टॉमी एक ऐसी सर्जरी है, जिसमें गर्भाशय के ट्यूमर को ऑपरेशन के जरिए निकाला जाता है। हिस्टेरेक्टॉमी एक ऐसा ऑपरेशन है, जिसमें महिला के यूट्रस या गर्भाशय को निकाल दिया जाता है। इस कारण से उनमें भविष्य में मां बनने की संभावना खत्म हो जाती है।

## मेनरेजिया

लड़कियों या महिलाओं का जब मासिक धर्म सात या इससे ज्यादा दिन का होता है और जब अक्सर बहुत ज्यादा खून जाता है तो इस हालत को मेनरेजिया कहते हैं। स्त्रियों को मेनरेजिया रोग होने के कई कारण हैं, जिनमें एंडोमेट्रियोसिस, एडेनेमायोसिस और यूट्राइन फाएब्रॉइड शामिल हैं।

## एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस दर्दनाक विकार है, जिसमें सामान्य रूप से किसी स्त्री के गर्भाशय के अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय के बाहर बढ़ती है और वे गर्भाशय नलियों (फैलोपियन ट्यूब), अंडाशय (ओवरीज) और शरीर के अन्य अंगों पर विकसित होने लगती हैं। डॉक्टर अब तक यह नहीं जानते कि ऐसा क्यों होता है? भारत की 2.5 करोड़ महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। अंडाशय वह अंग है जहां पर औरत को मां बना सकने वाले अंडे बनते हैं। अंडे वह, जो स्पर्म (शुक्राणु) के साथ मिलकर बच्चा बना सकें।

## एडेनोमायोसिस

इसमें गर्भाशय की सबसे अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय की भीतरी दीवार (मायोमेट्रियम) के साथ मिल जाती हैं, जिस कारण से पीरियड्स ज्यादा लंबे और तकलीफदेह हो जाते हैं।

## यूट्राइन फाएब्रॉइड

गर्भाशय में पनपने वाले ट्यूमर को यूट्राइन फाएब्रॉइड कहते हैं। गर्भाशय फाएब्रॉइड, गर्भाशय में मांसपेशियों के ऊतकों से गैर-कैंसरजन्य वृद्धि है। कुछ महिलाओं के शरीर में गर्भाशय फाइब्रॉएड क्यों बनते हैं, इसका सटीक कारण मालूम नहीं है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि शरीर में फाएब्रॉइड पनपने की वजह आनुवांशिक या हार्मोनल असंतुलन हो सकती है। डॉक्टर अक्सर मेनरेजिया और गर्भाशय फाएब्रॉइड दोनों को मैनेज करने के लिए जन्म रोकने वाली दवा-गोलियां देते हैं। इन गोलियों में मौजूद एस्ट्रोजन हार्मोन कुछ महिलाओं को तेज सरदर्द और माइग्रेन दे सकता है। अनुष्का शंकर को भी महीने में तीन से चार बार माइग्रेन होता था।

## फाएब्रॉइड और मायोमेक्टोमी

गर्भाशय में मौजूद ट्यूमर को निकालने के लिए जो सर्जिकल प्रोसिजर या ऑपरेशन किए जाते हैं, उन्हें मायोमेक्टॉमी कहते हैं। इस ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। अपने ट्वीट में, अनुष्का ने कहा कि 26 साल की उम्र में उनकी एक सफल मायोमेक्टोमी हुई थी। इस ऑपरेशन के बाद उसके दो बेटे पैदा हुए।

ऐसा बहुत कम है, जो हम फाएब्रॉइड के बारे में निश्चित तौर पर कह सकते हैं। पहली बात यो यह है कि शरीर में फाएब्रॉइड कहीं भी दिखाई दे सकते हैं। ये गर्भाशय की बाहरी सतह पर, इसकी दीवार के भीतर, या यह एक छोटे से तंतु के जरिए गर्भाशय की दीवार से जुड़ा होते हैं। फाइब्रॉइड धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं या वे कई वर्षों तक छोटे रह सकते हैं और फिर अचानक बढ़ सकते हैं। फाएब्रॉइड की मौजूदगी के लक्षण भी अलग-अलग पेशेंट्स के लिए काफी अलग-अलग हो सकते हैं- बेहद तकलीफदेह पीरियड्स से लेकर रक्त की कमी वाली बीमारी एनीमिया, पीठ के निचले हिस्से में दर्द या तकलीफदेह संभोग जैसी भिन्नताएं देखी जा सकती हैं। हम ऐसी भिन्न स्थितियां बनने के कारणों के बारे में भी कुछ निश्चित कहने की स्थिति में नहीं हैं।

## हिस्टेरेक्टॉमी और डिप्रेशन

अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में अनुष्का ने लिखा कि हिस्टेरेक्टॉमी के विचार ने उन्हें शॉर्ट-टर्म डिप्रेशन यानी अल्पकालिक अवसाद की हालत में भेज दिया। इस खबर से मेरे मन में कई किस्म के डर थे। जैसे, अपने स्त्रीत्व को लेकर भय, भविष्य में और बच्चे पैदा करने की मेरी संभावित इच्छा, सर्जरी में मरने का डर, मेरे बच्चों को बिना मां के छोड़ने का भय, मेरी सेक्स लाइफ में बदलाव और असर का भय... और भी बहुत कुछ। शोध आधारित एक अनुमान के अनुसार, हिस्टेरेक्टॉमी के दौरान वैश्विक मृत्यु दर एक प्रतिशत है। आंत्र, मूत्राशय या मूत्रवाहिनी को नुकसान, रक्तस्राव, डिम्बग्रंथि विफलता और संक्रमण जैसी जटिलताओं की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में प्रजनन संबंधी बीमारियों का सामना कर रही महिलाओं का उनके निदान के बारे में उदास महसूस करना आम है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में ही हिस्टेरेक्टोमी को लेकर ऐसी धारणा है। हमें यह समझना होगा कि यह एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जो महिलाओं का जीवन बचा सकती है। महिलाओं पर निश्चित तरीके से रहने और एक निश्चित तरीके से चीजों को देखने के लिए बहुत दबाव है।

## रेसिपी

### शीर खुरमा

**सामग्री**

- सेंवई:100 ग्राम
- घी: 1 टेबलस्पून
- दूध: 3 लीटर
- शक्कर: 250 ग्राम
- पिसा हुआ चावल: 10-12 टेबलस्पून
- हरी इलायची के दाने पिसे हुए: 4-5
- 1 कप मिल्क पाउडर
- खारक रातभर पानी में भिगोकर रखे :100 ग्राम
- बादाम बारीक कटे हुए: 50 ग्राम
- किशमिश: 50 ग्राम
- पिस्ता: 50 ग्राम
- नारियल के बारीक कतले: 50 ग्राम
- केवड़ा: 1 टेबलस्पून

**विधि**

सबसे पहले इलायची पाउडर, चावल के पाउडर और शक्कर को थोड़े से दूध में घोलकर अलग रखे लें। इसके बाद धीमी आंच पर घी गर्म करके उसमें सेंवईयों को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। सेंवईयों के भूरा होने पर उसे एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब एक बर्तन में दूध उबाल लें। उबलते दूध में इलायची पाउडर, शक्कर और पिसा हुआ चावल डालकर दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें हुए बीच-बीच में चलाते रहें। अब इसमें खारक, बादाम, किशमिश, पिस्ता, नारियल और सेंवई डाल दें। सेंवई के नर्म होने तक पकाएं। सेंवईयों के पकने पर उसे आंच से उताकर उसमें केवड़ा की कुछ बूंदे डालकर ड्रायफ्रूट्स से सजाकर मेहमानों को सर्व करें।

### बूंदी के लड्डू

**सामग्री**

- दरदरा पिसा हुआ बेसन: 3 कटोरी
- चीनी: 2 कटोरी
- इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- केसर: 5-6 लच्छे
- मीठा पीला रंग: चुटकी भर
- दूध: पाव कप
- तलने के लिए देसी घी

**विधि**

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें। जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

## काकुरो पहेली - 4010

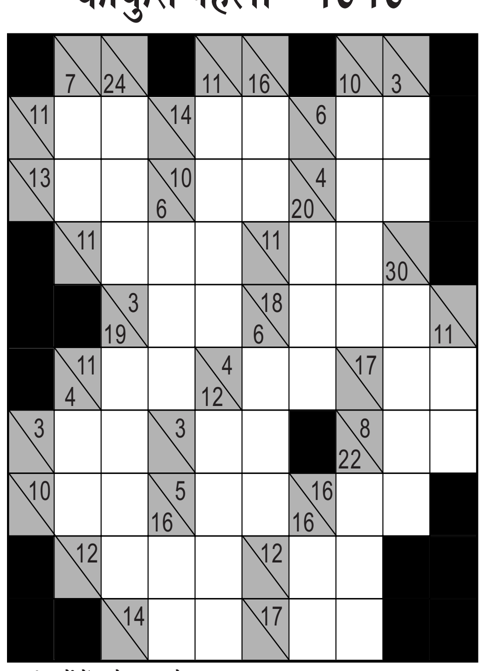

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

10 / 6 — 1 2 3 4; 1 2 3

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

### काकुरो - 4009 का हल

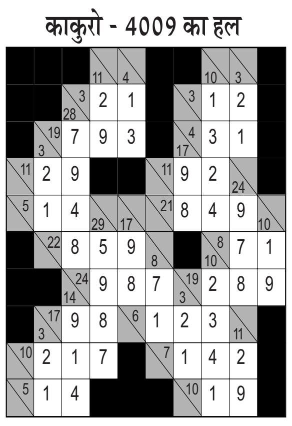

## हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

## फिल्म वर्ग पहेली- 4010

**बायें से दायें:-**

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 4009

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सं | न्या | सी | | ह | मे | शा | | खौ | फ |
| ध्या | | मा | सू | म | | र | क्षा | | र्ज |
| | रो | | र | | सौ | दा | | त्रि | |
| ना | जा | य | ज | | त | | श्री | दे | वी |
| ग | | की | | जा | न | म | | व | |
| म | हा | न | | गृ | | द | म | | मा |
| णि | | | प्र | ति | का | र | | ज | या |
| | फ | र | हा | | लि | | | मा | |
| रॉ | की | | र | जि | या | सु | ल्ता | न | |
| | रा | खी | | स्म | | र | | त | ब्बू |

## सूडोकु -4010

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | | | 9 | | 6 | 1 | | 8 |
| 6 | 8 | | | | | | | |
| | 1 | 7 | 3 | 8 | | 4 | | |
| 3 | 4 | | 6 | | 7 | | | 9 |
| 5 | | 1 | 8 | | | 2 | | 7 |
| 2 | | | 5 | | 1 | | 8 | 4 |
| | | 3 | | 7 | 5 | 8 | 6 | |
| | | | | | | | 9 | 5 |
| 7 | | 6 | 2 | | 8 | | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -4009 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 8 | 3 | 5 | 6 | 1 | 7 | 4 |
| 4 | 5 | 3 | 2 | 1 | 7 | 9 | 8 | 6 |
| 7 | 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 5 | 3 |
| 8 | 2 | 5 | 6 | 9 | 1 | 3 | 4 | 7 |
| 3 | 6 | 4 | 7 | 2 | 5 | 8 | 1 | 9 |
| 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 4 | 5 | 6 | 2 |
| 5 | 4 | 1 | 9 | 7 | 2 | 6 | 3 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 4 | 8 | 7 | 9 | 5 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 6 | 3 | 4 | 2 | 1 |

## शब्द पहेली - 4010

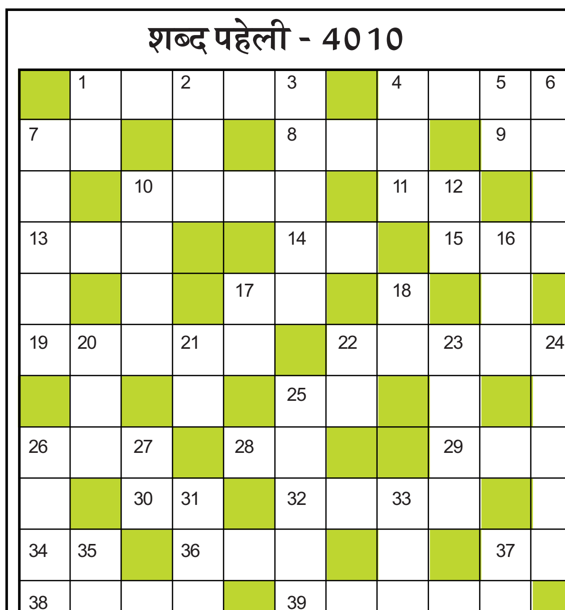

**बाएँ से दाएँ**

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

**ऊपर से नीचे**

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

### शब्द पहेली -4009 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उ | थ | ल | पु | थ | ल | | मा | न | व | ता |
| त | न | | ल | | ल | म्बा | ई | | श | र |
| रा | | आ | क | र्ष | क | | न | स | | को |
| धि | क्का | र | ना | | | अ | | च | प | ल |
| का | | क्ष | | भा | गी | दा | र | | र | |
| र | म | ण | यो | ग्य | | व | ज | न | दा | र |
| | ह | | ग | फ | ल | त | | म | | ह |
| द | ल | ना | | ल | | | य | की | न | न |
| श | | का | व्य | | त | न | म | न | | स |
| ह | रा | | स | ला | मी | | रा | | रा | ह |
| रा | ह | ज | न | | ज | हा | ज | चा | ल | न |

# आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात की

भोजपुरी सिनेमा की जानी- मानी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग-बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात करते हुए कहा कि हाल के सालों में इंडस्ट्री में फीमेल-ओरिएंटेड कहानियां और फीमेल सुपरस्टार्स के कारण फिल्में ज्यादा सफल हो रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अब लेखकों को मुश्किल किरदारों के लिए उन्हें पहली पसंद के तौर पर देखना चाहिए। अभिनेत्री से सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें काफी चुनौतीपूर्ण किरदार दिए हैं?' अभिनेत्री ने कहा, 'हां, दिए हैं। मुझे लगता है कि जब भी कोई लेखक कोई चुनौतीपूर्ण किरदार लिखता है, तो उसके दिमाग में सबसे पहला नाम आम्रपाली दुबे का ही आना चाहिए।' अभिनेत्री से आईएएनएस ने एक और सवाल किया, 'क्या आप इस बात से सहमत होंगी कि भोजपुरी सिनेमा की अक्सर आलोचना होती है कि वह दमदार महिला-प्रधान कहानियों के बजाय स्टार जोड़ियों पर ज्यादा निर्भर रहा है? अभिनेत्री ने कहा, 'पिछले तीन, साढ़े तीन साल से भोजपुरी में जो फिल्में चली हैं, वो सिर्फ फीमेल सुपरस्टार्स की फिल्में हैं और ये बहुत गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'मुझे ये कहते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि हमारी इंडस्ट्री के नियम बदल गए हैं। अगर आप देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि पिछले तीन, साढ़े तीन साल, बल्कि चार-पांच साल से काफी महिला-प्रधान फिल्में बन रही हैं और वो अच्छा कर रही हैं। लोगों का बहुत प्यार मिल रहा है।' आम्रपाली ने कहा कि धीरे-धीरे माहौल बदला है। उन्होंने कहा, 'किसी भी बदलाव को लाने में समय लगता है। हम भी अपना समय ले रहे हैं। हम थोड़ा लेट आएंगे लेकिन बहुत मजबूती के साथ आएंगे।' बिग बॉस भारत में बिग बॉस फ्रेंचाइजी का एक भारतीय हिंदी भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है, जो कलर्स टीवी पर आता है।

# आप ग्लैमरस भी हो सकते हैं और स्पिरिचुअल भी

## पेट्रोल पंप से लेकर सेल्स गर्ल का काम किया

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे ने कई सारी फिल्मों में काम किया है और कई पेजेंट्स भी जीते हैं। उन्होंने एक्टिंग के साथ गायन के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है और इसका श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। एक्ट्रेस ने बातचीत में काफी कुछ कहा है। पुणे के मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी मुग्धा गोडसे छोटी -सी उम्र में गलैमर की गलियों में आ गई थीं। ग्लैडरेग्स मेगा मॉडल हंट की विजेता बनने से पहले उन्होंने भी काफी संघर्ष का सामना किया। फैशन, जेल, हीरोइन, सत्याग्रह जैसी फिल्मों की अभिनेत्री इन दिनों चर्चा में हैं अपनी आध्यात्मिकता को लेकर। इस मॉडल-अभिनेत्री ने हाल ही में गायन के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उनकी गाई हुई कृष्ण वंदना का श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। यहां वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के साथ -साथ अपने पुराने दिनों को भी याद करती हैं। अध्यात्म के लिए बैराग की जरूरत नहीं आम तौर पर समझा जाता है कि अध्यात्म और ग्लैमर का साथ-साथ चलना मुश्किल होता है, मगर मुग्धा गोडसे ने इस बात को गलत साबित किया है। वे कहती हैं, 'ये सब कुछ हमारे गुरु श्री तरनेव जी के कारण संभव हो पाया। मैं उनसे 2013 में मिली थी। वहीं से मेरा आध्यात्मिक पहलू मजबूत हुआ। लोग मानते हैं कि अध्यात्म की तरफ जाने के लिए बैरागी होना पड़ता है, मगर ऐसा नहीं है। आप अपने जीवन के दैनिक कार्यों के साथ अध्यात्म की राह पर भी चल सकते हैं।'

### गुरु जी ने बदला नजरिया

उन्होंने आगे कहा, 'गुरु जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि काम भी करना है और पैसे कमाने के लिए ग्लैमरस भी लगना है।मगर इसका मतलब ये नहीं कि स्पिरिचुअल नहीं हुआ जा सकता। मेरा मानना है कि जीवन में गुरु का स्थान केवल एक शिक्षक का नहीं, बल्कि उस प्रकाश स्तंभ का होता है जो व्यक्ति को अंधकार से निकालकर सही दिशा दिखाता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर इंसान स्वयं से दूर हो जाता है, ऐसे में गुरु उसे उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराते हैं। गुरु जी की आस्था और साधना ने जीवन को देखने का नजरिया बदला है।'

### लगातार 30 दिनों तक काम करके 3000 कमाए थे

अपने संघर्ष के दौर को याद करते हुए वे कहती हैं, 'सभी जानते हैं कि मैं एक मिडल क्लास फैमिली से हूं और जब मैंने मॉडलिंग की शुरुआत की तब काफी स्ट्रगल फेस किया। मैं रोजाना पुणे एसटी बसों में से मुंबई अप डाउन किया करती थी। शुक्र है कभी मेरे साथ कोई हादसा नहीं हुआ। मैं कॉलेज के दिनों से ही काफी आत्मनिर्भर रही हूं। ये मेरे टीनेज दौर की बात है। उस दौरान मैं पार्ट-टाइम जॉब्स किया करती थी।'

### पेट्रोल पंप पर भी किया काम

उन्होंने आगे कहा, 'इनमें पेट्रोल पंप पर काम करने से लेकर अलग-अलग तरह की सेल्स और प्रमोशनल जॉब्स तक शामिल थीं। पेट्रोल पंप पर मुझे 100 रुपए पर डे मिला करते थे। मेरा मकसद बस इतना था कि रोज करीब सौ रुपए कमा सकूं, ताकि मेरे पास अपने खर्च के लिए एक्स्ट्रा पॉकेट मनी हो। मेरे अंदर हमेशा से यह भावना रही है कि मुझे अपना पैसा खुद कमाना है। एक पेजर कंपनी में भी मैंने काम किया है। मैं और मेरी बहन, साथ ही दोस्तों का एक ग्रुप, ये सारे छोटे-मोटे काम साथ में किया करते थे। कॉलेज के बाद पांच-छह घंटे या जितना समय मिलता, हम काम करते और उससे जो पैसे मिलते, उनसे अच्छा लंच करते या वडा पाव खाते, घूमते-फिरते और अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करते थे।'

### पार्ट टाइम जॉब कई सारे किए

मुग्धा ने कहा, 'इसी दौरान मैंने जिम में भी काम किया और बतौर इंस्ट्रक्टर। लेकिन मेरी शुरुआत इन्हीं छोटी-छोटी पार्ट-टाइम जॉब्स से हुई थी। मैंने सेल्स में काम किया, मैं ऑइल बेचने का काम करती थी। मैंने सर्वे किए और कई तरह के प्रमोशनल काम किए। एक समय मैंने लगातार करीब 30 दिनों तक काम करके लगभग 3,000 कमाए थे, जो उस वक्त मेरे लिए बड़ी बात थी। मेरे लिए अपने पैरों पर खड़े होने और खुद कमाने की शुरुआत कुछ इसी तरह हुई थी।'

# रश्मिका ने हाइब इंडिया से मिलाया हाथ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरुआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं। रश्मिका मंदाना अब हाइब इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइब वही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेकर काफी उत्सुकता है। हाइब इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा, ''यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है। जब मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं, तो एहसास होता है कि खुद पर भरोसा बनाए रखना, लगातार मेहनत करना और उन संभावनाओं को हां कहना कितना जरूरी होता है, जो आपको आगे ले जा सकती हैं।''

रश्मिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि हाइब इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइब पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है। हाइब इंडिया के ऑडिशन में सिंगिंग, डांस, रैप और दूसरे परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर दिखाने का मौका दिया जा रहा है।'' रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं।

# मिर्जापुर- द मूवीः करियर की पहली 100 करोड़ी फिल्म पर बोलीं रसिका

'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी का किरदार बीना अपने हर पार्ट के साथ अलग-अलग रूप में दिखी है। इस किरदार को रसिका दुग्गल ने निभाया है। यह फिल्म उनके करियर की पहली 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म है। एक बातचीत में उन्होंने इस पर काफी कुछ कहा।

### फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका

फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इस पर फिल्म में बीना का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बातचीत में कहा, 'कोई भी काम पूरा करने के बाद, मुझे कभी भी परिणाम को लेकर कोई दबाव महसूस नहीं होता। लेकिन इस बार, मुझे उन प्रशंसकों के प्रति जिम्मेदारी का एहसास हुआ जिन्होंने आठ वर्षों तक वफादारी से हमारा साथ दिया और हमें इतना प्यार दिया। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वो खुश हो जाए, पर सिर्फ वो नहीं, और भी बहुत से लोग खुश हो जाएं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

एक्ट्रेस ने कहा मैं आभारी हूं आगे अपनी बातचीत में रसिका दुग्गल ने कहा, 'अगर मुझे किसी भी स्क्रीन पर आने का मौका मिले, तो मैं आभारी हूं। लेकिन हां, थिएटर का अपना ही एक अलग माहौल होता है। ऐसा लगता है जैसे इतने साल से जिस चीज के लिए हम मेहनत कर रहे थे, उसे अब इतने रोमांटिक अंदाज में पेश किया जा रहा है। यह विचार बहुत रोमांचक है।'

### करण जौहर की फिल्म की तारीफ

फिल्ममेकर करण जौहर द्वारा फिल्म की तारीफ किए जाने पर बीना ने कहा, 'अपने साथियों से सराहना मिलना, जिन्होंने इतनी खूबसूरत फिल्में बनाई हैं जिन्हें हमने बार-बार देखा है और याद रखा है, बहुत मायने रखता है। यह एक बिल्कुल अलग तरह का एहसास है। पिछले कुछ दिनों में बहुत से लोगों ने मुझे मैसेज किए। अब तो मुझे लालच आ रहा है, अगर दो घंटे में एक मैसेज भी नहीं आया तो मुझे अजीब लग रहा है । मैंने खून का स्वाद चख लिया है!'

### पॉपुलर गाने पर बोलीं एक्ट्रेस

नुसरत फतेह अली खान के गानें 'सांसों की माला पे' को फिल्म 'मिर्जापुर' में नए अंदाज में फिल्माया गया। इसपर रसिका ने कहा, 'किसी लोकप्रिय, दिल को छू लेने वाले और यादों से जुड़े गाने का किसी महत्वपूर्ण दृश्य में बजना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' इस गानें को फिल्म में बीना त्रिपाठी और उनके प्रेमी बिरजू लोहार पर फिल्माया गया है।

# संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता

**सूरज बड़जात्या की फिल्म से मौका पाने वाले अक्षय ओबेरॉय को लगा था कि वो रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि वे मानते हैं कि उनकी लॉटरी लगी है। उन्होंने कहा- मैंने अपनी बेस्ट फ्रेंड से शादी की है तो इस मामले में मैं खुशकिस्मत रहा हूं। उन्होंने ये भी कहा- बेटे की नजर में मैं सुपरस्टार हूं।**

अक्षय ओबेरॉय को जब सूरज बड़जात्या जैसे बड़े फिल्मकार की फिल्म 'इसी लाइफ' में से पहला ब्रेक मिला, तो उन्हें लगा था कि अब तो वे रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि, फिल्म चली नहीं तो अक्षय का सपना भी अधूरा रह गया, मगर उन्होंने हार नहीं मानी। पिज्जा, गुड़गांव जैसी फिल्में हों या फ्लेश, हाई जैसी वेब सीरीज, जब जहां मौका मिला, वे अपना ऐक्टिंग टैलंट दिखाने से नहीं चूके। यही वजह है कि आज फाइटर, टॉक्सिक, किंग जैसी बड़ी फिल्में कर रहे अक्षय अपने बेटे आव्यान के लिए बड़े 'सुपरस्टार' हैं। इन दिनों पुरुषों के हक की आवाज उठाने वाली फिल्म लव लॉटरी के लिए चर्चा बटोर रहे अक्षय बताते हैं, 'असल में, फाइटर बच्चों को बहुत पसंद आई। उसके गाने बच्चों के दिमाग में बैठ गए हैं तो बेटे के स्कूल में उसके दोस्तों को लगता है कि मैं कोई बहुत बड़ा सुपरस्टार हूं। इसलिए बेटे को भी लगता है कि मेरा पापा बहुत बड़ा सुपरस्टार है। आजकल लोग मुझे सड़कों पर पहचान भी रहे हैं जो पहले होता नहीं था तो आव्यान बहुत एक्साइटेड होता है। हम लोग अभी लंदन, पेरिस, घूमकर आए। वहां कोई न कोई भारतीय आकर मुझसे बात करने लगता था तो वो खुश हो जाता था कि देखो, मेरा पापा क्या है! उसके लिए मैं तो हीरो हूं और मैं चाहता हूं कि वह इमेज कभी तोडूं ना। मेरी कोशिश है कि उसकी नजर में मैं कभी कुछ गलत न करूं।'

अक्षय को इस मुकाम तक पहुंचने में डेढ़ दशक लगा। संघर्ष के दौर में वे कैसे डटे रहे? इस पर वह कहते हैं, 'आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो वो पागलपन ही लगता है। लोग मुझसे कहते थे कि तुममें बहुत क्षमता है, बस एक शुक्रवार की जरूरत है और मैं कहता था कि हां, आप सही कह रहे हैं। मुझे यकीन था कि वो दिन आएगा।

ये जुनून ही था, पागलपन ही था। फिर अचानक एक फाइटर मिल जाती है जो टर्निंग पॉइंट साबित होती है। ये इतने साल की मेहनत ही है कि सिद्धार्थ आनंद जैसा डायरेक्टर आपको रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स के बगल में खड़ा कर देता है और आप कर पाते हैं क्योंकि आपने इतना देखा और झेला है। आपका संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता। मैं ऊपरवाले का शुक्रगुजार हूं कि मैं डटा रहा, मैंने छोड़ा नहीं।

ऐक्टिंग के लिए मैं खाना-पीना, सोना सब भूल सकता हूं। मैं ऐक्टिंग न करूं तो डिप्रेस हो जाता हूं। इसलिए, असफलता का मुझ पर कभी असर पड़ा नहीं क्योंकि मैं काम लगातार कर रहा था।'

### 356 दिन ऐक्टिंग करने को तैयार हूं

अक्षय फ्लेश, हाई, मैडम चीफ मिनिस्टर जैसी सीरीज/फिल्म में अपनी नेगेटिव भूमिका के लिए काफी सराहे गए। जबकि, अरविंद पांडे निर्देशित फिल्म लव लॉटरी में वह प्यार में धोखा खाने वाले सच्चे प्रेमी के रोल में है।

बकौल अक्षय, 'एक ऐक्टर को हर तरह की फिल्म करना चाहिए। मेरे ऊपर लाइमलाइट ऐसे कभी आया भी नहीं कि मेरी कोई इमेज हो कि मैं रोमांटिक हीरो हूं या ऐक्शन हीरो हूं। मैं सिर्फ ऐक्टर हूं, तो अलग-अलग तरह की फिल्में करता रहता हूं। फिर, एक अच्छी स्क्रिप्ट मिलना बहुत मुश्किल काम है। लोगों को लगता है कि ढेर सारी स्क्रिप्ट पड़ी हैं, जिसमें से मैं ये चूज करूंगा, ये नहीं करूंगा, पर ऐसा होता नहीं है। मुझे यह विषय बहुत पसंद आया कि एक आदमी प्यार की वजह से फंस गया।

यह आज की पीढ़ी की कहानी है, इसलिए मैंने यह फिल्म की, क्योंकि मेरी चाहत है कि मैं लगातार कैमरे के सामने रहूं। मैं साल के 356 दिन ऐक्टिंग कर सकूं ना तो मैं करूंगा। मैं चाहता हूं कि मेरी ऐक्टिंग लगातार बेहतर हो। लोग कहें कि तुम्हारी ग्रोथ बहुत बढ़िया है। मैं यह सुनने के लिए भूखा हूं। मेरे लिए ऐक्टिंग एक नशा है तो मैं कुछ अलग ढूंढ़ रहा था और ये स्क्रिप्ट आ गई।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।